बर्षः- 06
अंकः- 113
मुरादाबाद
(Wednesday)
12 August 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

मंगल मिलनः PM मोदी ने NDA सांसदों के साथ लहराया तिरंगा;संसद परिसर में झारखंड मुद्दे पर सत्ता पक्ष का प्रदर्शन

एनडीए की मंगल मिलन बैठक में मानसून सत्र के आखिरी तीन दिनों की रणनीति पर चर्चा हुई। पीएम मोदी, अमित शाह समेत एनडीए के कई बड़े नेता बैठक में मौजूद हैं। मानसून सत्र के आखिरी दिनों में सरकार की क्या रणनीति है? राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसदों की मंगल बैठक वंदे मातरम नारे के साथ शुरू हुई। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और एनडीए के अन्य नेता तिरंगा लहराते नजर आए। उधर, संसद परिसर में झारखंड में छात्रों के प्रदर्शन के मुद्दे पर एनडीए के

15 अगस्त के लिए देशवासियों से की अपीलः बोले- हर घर तिरंगा को बनाएं उत्सव

सांसदों ने प्रदर्शन किया। संसद पुस्तकालय में आयोजित मंगल मिलन बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तिरंगा ध्वज के साथ नजर आए। सांसद हाथ में पोस्टर लेकर सदन में प्रवेश करेंगे, जिनमें लिखा होगा- सरकार छात्रों के प्रदर्शन पर चर्चा चाहती है, लेकिन कांग्रेस इसे चाहकर भी अब इससे भाग रही है। सांसदों के हाथों में झारखंड सरकार को लेकर भी पोस्टर होंगे। उन पोस्टरों पर झारखंड में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर अत्याचार का मुद्दा उठाया जाएगा। पिछले सप्ताह मंगल मिलन बैठक के बाद भाजपा सांसदों ने पत्रकारों से बातचीत की थी। उन्होंने सरकार की उपलब्धियों, रोजगार, खेल, आर्थिक विकास और संसद की कार्यवाही को लेकर अपनी बात रखी थी। साथ ही, विपक्ष पर संसद की कार्यवाही को बाधित करने का आरोप भी लगाया था। भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा था कि भारत तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है और रोजगार के क्षेत्र में देश की स्थिति लगातार मजबूत हुई है। रोजगार का अनुपात अन्य देशों की तुलना में बेहतर हुआ है और बेरोजगारी में भी कमी आई है। 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं, जो सरकार की नीतियों का परिणाम है।

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा था कि मंगल मिलन बैठक में देश में हो रहे विभिन्न विकास कार्यों और सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने आरोप लगाया था कि विपक्ष संसद में लगातार हंगामा कर रहा है और अहम मुद्दों पर चर्चा नहीं होने दे रहा है। बैठक में सभी सांसदों ने यह तय किया कि संसद की कार्यवाही के दौरान उनकी उपस्थिति हर हाल में सुनिश्चित रहेगी, ताकि सरकार आवश्यक विधेयकों को पारित करा सके। मंगल मिलन बैठक का मकसद क्या है? मंगल मिलन बैठक वास्तव में एनडीए संसदीय दल की साप्ताहिक रणनीति बैठक का बदला हुआ नाम है। इसका मकसद रचनात्मक चर्चा को बढ़ावा देना और गठबंधन के सहयोगियों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखना है। संसद सत्र के दौरान रोजाना सदन की रणनीति तैयार करने और अलग-अलग दलों के बीच सहमति बनाने के अलावा, मंगल मिलन बैठक एनडीए के सहयोगी दलों के साथ समन्वय बढ़ाने का माध्यम भी है।यह बैठक एनडीए सांसदों की बहस में भागीदारी बढ़ाने और प्रमुख सहयोगी दलों के नेताओं को बोलने का समय और जिम्मेदारी तय करने में मदद करती है। इसमें शिवसेना, एलजेपी, टीडीपी, जेडीयू और अन्य क्षेत्रीय दलों के सहयोगी नेता शामिल होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर नियम की मांग कैसे सुप्रीम कोर्ट पहुंची, सरकार का इस पर क्या रुख?

क्रीमी लेयर का सिद्धांत फिलहाल ओबीसी आरक्षण में लागू है, जबकि एससी-एसटी आरक्षण में इसे लागू करने की मांग को लेकर विवाद चल रहा है। केंद्र का कहना है किएससी-एसटी और ओबीसी की सामाजिक परिस्थितियां अलग हैं, इसलिए दोनों के लिए एक जैसा नियम नहीं अपनाया जा सकता।अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई के बीच केंद्र सरकार ने अपना रुख साफ कर दिया है। केंद्र ने कहा है कि एससी/एसटी के आरक्षण में क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू नहीं है। सरकार ने इस मांग का विरोध करते हुए कहा कि एससी/एसटी के आरक्षण में आय के आधार पर बदलाव करने से पहले व्यापक समीक्षा, सामाजिक-आर्थिक आंकड़ों और ठोस अध्ययन की जरूरत होगी। ऐसे में सवाल उठता है कि ताजा मामला क्या है? एससी/एसटी में क्रीमी लेयर लागू करने की मांग क्यों उठी? केंद्र सरकार ने इसका विरोध क्यों किया? आरक्षण नीति बनाने का अधिकार किसके पास है? क्रीमी लेयर है क्या? क्रीमी लेयर को लेकर क्या फैसला हो चुका है? भारत में आरक्षण को लेकर क्या व्यवस्था है? सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जनहित याचिकाओं में एससी/एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने की मांग की गई। केंद्र सरकार ने इन याचिकाओं का विरोध किया है।

मायावती बोलीं- छात्रों के आंदोलन को सत्ता-विपक्ष की राजनीति से बचाएं, युवाओं के रोजगार पर सरकारों को घेरा

बसपा प्रमुख ने छात्रों और युवाओं के आंदोलनों को सत्ता और विपक्ष की राजनीति से दूर रखने की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक दल युवाओं की समस्याओं का समाधान करने के बजाय चुनावी स्वार्थ साध रहे हैं। उन्होंने रोजगार, सरकारी भर्तियों और निजी क्षेत्र में आरक्षण की मांग को भी प्रमुखता से उठाया।बसपा सुप्रीमो और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को छात्रों और युवाओं के मुद्दे पर केंद्र और राज्य सरकारों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सत्ता और विपक्ष किसी न किसी मुद्दे की आड़ में जनता का ध्यान ज्वलंत समस्याओं से भटका रहे हैं। छात्रों और जेन-जी के आंदोलनों को राजनीतिक दलों की राजनीति का हिस्सा नहीं बनने देना चाहिए। मायावती ने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों और युवाओं के आंदोलन को कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने हाईजैक कर लिया। अब झारखंड की राजधानी रांची में चल रहे छात्रों और युवाओं के आंदोलन के समर्थन में भाजपा और उसके सहयोगी दल सामने आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों जगह युवाओं की समस्याओं के समाधान के बजाय चुनावी स्वार्थ की राजनीति अधिक दिखाई दे रही है।राजनीतिक दलों का सावधानी से इस्तेमाल करें- उन्होंने देशभर के छात्रों और जेन-जी से अपील की कि वे सत्ता और विपक्ष के कथित षड्यंत्र से दूर रहें और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए राजनीतिक दलों का सावधानी से इस्तेमाल करें।विभागों में नए पद सृजित किए गए बसपा प्रमुख ने रोजगार के मुद्दे पर कहा कि उनकी सरकारों में छात्रों और युवाओं की समस्याओं का विशेष ध्यान रखा गया। सरकारी भर्तियों पर लगी रोक हटाकर लाखों लोगों को रोजगार के अवसर दिए गए और पुलिस समेत अन्य विभागों में नए पद सृजित किए गए। मायावती ने निजी क्षेत्र में भी दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों को आरक्षण देने की मांग की। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में सर्वसमाज बसपा को मजबूत करे।

कोयला आवंटन मामले में मनमोहन सिंह बेदागः सोनिया गांधी बोलीं- सबसे प्रभावशाली पीएम के तौर पर याद रखेगा इतिहास

कोयला आवंटन मामले में सुप्रीम कोर्ट से क्लीन चिट मिलने के बाद कांग्रेस सोनिया गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जमकर तारीफ की। उन्होंने मनमोहन सिंह की ईमानदारी और उनके कार्यकाल की उपलब्धियों को याद किया। उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा।सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में क्लीन चिट दी। इस पर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने मंगलवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह की ईमानदारी और जवाबदेही का रिकॉर्ड नरेंद्र मोदी सरकार के काम करने के तरीके से बिल्कुल अलग रहा है। सोनिया गांधी ने कहा कि इतिहास मनमोहन सिंह को एक शांत, सरल और बेहद प्रभावशाली प्रधानमंत्री के रूप में याद रखेगा। सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इन दिनों मोदी भारत के उन छात्रों को माफ कर रहे हैं, जिन्होंने उनके खिलाफ प्रदर्शन किया है। ऐसे में शायद मोदी इस मौके का इस्तेमाल मनमोहन सिंह के खिलाफ की गई अपमानजनक बदनामी के लिए खुद को माफ करने में कर सकते हैं। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला सार्वजनिक चर्चा के सबसे दुखद अध्यायों में से एक को खत्म करता है। उन्होंने इसे %डॉ. मनमोहन सिंह के खिलाफ चलाया गया बदले का अभियान% बताया। सोनिया गांधी ने कहा कि मनमोहन सिंह बेहद ईमानदार और साफ-सुथरी छवि वाले व्यक्ति थे।सोनिया गांधी ने इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित अपने लेख में कहा, मनमोहन सिंह के खिलाफ योजनाबद्ध और सुनियोजित अभियान चलाया गया था। इसमें नौकरशाही से लेकर मीडिया, न्यायपालिका, नागरिक समाज और निश्चित रूप से आरएसएस और भाजपा तक के लोग शामिल थे। उन्होंने कहा कि आज उनका यह झूठा अभियान अपने स्वाभाविक अंत तक पहुंच गया है। डॉ. मनमोहन सिंह हर मामले में सही साबित हुए हैं। 29 जुलाई राजनीतिक इतिहास का अहम दिन%- सोनिया गांधी ने कहा कि 29 जुलाई 2026 हमारी हाल की राजनीतिक इतिहास का एक अहम, लेकिन अनदेखा दिन था। उस दिन सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कथित कोयला ब्लॉक आवंटन घोटाले में डॉ. मनमोहन सिंह को सीबीआई की ओर से दी गई क्लीन चिट को बरकरार रखा। उन्होंने कहा कि इससे भी अहम बात यह थी कि सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत को फटकार लगाई। सिंह के खिलाफ टिप्पणी भी की थी, जबकि निचली अदालत के पास ऐसा करने के लिए कोई ठोस कारण नहीं था। नरेंद्र मोदी सरकार पर क्या आरोप लगाया? कांग्रेस नेता ने कहा कि मनमोहन सिंह की ईमानदारी और जवाबदेही का रिकॉर्ड नरेंद्र मोदी सरकार के काम करने के तरीके से बिल्कुल अलग है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने अपराध और भ्रष्टाचार की जांच के लिए बनाई गई ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का स्पष्ट और बड़े स्तर पर गलत इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा, इसका मकसद राजनेताओं पर दबाव बनाना रहा है। नेताओं को या तो दबाव के जरिये चुप करा दिया जाता है या चालाकी से भाजपा में शामिल कर लिया जाता है। कुछ खास मामलों में तो उन्हें मंत्री पद भी दे दिया जाता है। सोनिया गांधी ने कहा, जब भ्रष्टाचार के विश्वसनीय आरोप सामने आते हैं, तो मोदी सरकार उन्हें आसानी से नजरअंदाज कर देती है। विपक्ष में रहते हुए भ्रष्ट और जैसे ही पार्टी बदलकर भाजपा में शामिल हुए,

अपने रुख से पीछे नहीं हटेगा विपक्षः तीन मांगों पर खरगे ने सरकार को घेरा; प्रियंका गांधी क्या बोलीं?

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि विपक्ष अपने रुख से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने तीन प्रमुख मुद्दे गिनाए। इनमें 20 जुलाई को छात्रों पर हुई कथित पुलिस कार्रवाई, राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी का मामला और इन मुद्दों पर सरकार से माफी की मांग शामिल है। उन्होंने कहा कि जब तक इन मुद्दों का समाधान नहीं होता, तब तक विपक्ष इन्हें उठाता रहेगा। खरगे ने सरकार पर संसद में बयान देने से बचने का आरोप लगाया। मीडिया से बातचीत में खरगे ने कहा, हम अपना रुख नहीं बदल रहे हैं। शुरुआत से ही हमारा रुख एक जैसा रहा है और हमारे तीन स्पष्ट मुद्दे हैं।छात्रों पर कथित पुलिस कार्रवाई को लेकर क्या कहा? छात्रों पर हुई कथित ज्यादती को लेकर उन्होंने कहा, पहला मुद्दा छात्रों पर लाठीचार्ज और गोलीबारी का है। हम जानना

चाहते हैं कि आदेश किसने दिया और यह कैसे हुआ। हम इस पर सदन में बयान चाहते हैं। खरगे ने आगे कहा, लाठीचार्ज के कारण कई छात्र बीमार पड़ गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। 100 से ज्यादा छात्र घायल हुए। कई छात्रों को पैलेट गन से चोट लगी। हम इस मामले पर भी बयान चाहते हैं। 18 दिन हो चुके हैं और बयान देने की उनकी कोई इच्छा नहीं है। वे सिर्फ जल्दी से एक टिप्पणी करके आगे बढ़ना चाहते हैं। उनका इरादा यही है। तीन मांगों पर अड़ा विपक्ष- अन्य मांगों को गिनाते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, दूसरा मुद्दा चढ़ावा चोरी का है और तीसरा सरकार से माफी की मांग है। ये तीनों मुद्दे शुरुआत से हैं। ये अभी भी अहम हैं और जब तक इनका समाधान नहीं होता, तब तक बने रहेंगे। झारखंड में छात्रों के प्रदर्शन और इंडिया ब्लॉक के भीतर दोहरे मापदंड के आरोपों पर खरगे ने कहा, यह अलग मुद्दा है। अगर सैकड़ों मुद्दे हैं, तो क्या उन सभी पर एक साथ चर्चा होगी? क्या हम हर एक मुद्दा उसी दिन उठाएंगे? एनडीए सांसदों के प्रदर्शन के बीच क्या बोलीं प्रियंका गांधी? वहीं, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने झारखंड में प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मुलाकात की है। संसद में छात्र आंदोलन को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव जारी है। प्रियंका गांधी ने ये बातें एनडीए सांसदों के विरोध प्रदर्शन के बीच संसद पहुंचने के बाद कहीं। एनडीए सांसदों ने विपक्ष पर सदन में चर्चा से भागने का आरोप लगाया।प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, राहुल गांधी ने झारखंड के छात्रों से मुलाकात की है। उन्होंने संसद परिसर में सत्तारूढ़ दल के सांसदों के विरोध प्रदर्शन पर भी निशाना साधा। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सदन में आकर बयान देने की मांग की।

भाजपा ने राहुल गांधी पर साधा निशाना, कहा- डरें नहीं, संसद में गृह मंत्री का भाषण सुनें

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए उन्हें बिगड़ा हुआ शहजादा बताया है। उन्होंने कहा कि होंगे राजे-राजकुमार, ये बिगड़े दिल शहजादे जब जब सदन में एचएम और पीएम बोले, यह तब तब सदन छोड़कर भागे। भाजपा सांसद का यह तंज उस वक्त आया है, जब राहुल गांधी ने दावा किया कि उनके मुद्दों के सामने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री अमित शाह सदन में उनके सामने खड़े नहीं हो सकते।भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने संसद में जारी विपक्ष के हंगामे पर राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की हमेशा से आदत रही है कि वो सदन में जवाब नहीं सुनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह हर विषय पर जवाब देने को तैयार हैं लेकिन कांग्रेस, इससे भाग रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास रहा है कि वो सदन में चर्चा से भागती है। प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा सांसद ने दावा किया और राहुल गांधी को चुनौती दी है कि गृह मंत्री सदन में आकर बिंदुवार जवाब देने को तैयार हैं, इसीलिए सदन छोड़कर आप न भागे। रांची में छात्रों के आंदोलन का जिक्र करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि रांची में अनुशासित, मर्यादित छात्र जो पूर्णत: गैर राजनीतिक, सामान्य, समुचित मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, उनके साथ जो व्यवहार हो रहा है वह अनुचित है। राहुल गांधी के कान पूरी तरह से बंद हैं। रांची के छात्रों की गूंज उन्हें सुनाई नहीं दे रही है। सत्र के दौरान सदन से भागते हैं और सत्र के बाद विदेश भागते हैं। यह स्वाभाविक है कि इस बार भी वे सत्र के बाद विदेश भागेंगे, लेकिन इससे पहले इतनी हिम्मत जुटाइए, इतना साहस जुटाइए और गृह मंत्री का वक्तव्य सुनकर जाइए।उन्होंने विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी का जिक्र करते हुए कहा कि जब खरगे जैसे सीनियर नेताओं ने राज्यसभा में विपक्ष के नेता का पद संभाला और इससे पहले जब अधीर रंजन चौधरी लोकसभा में विपक्ष के नेता थे, तब भी ऐसी स्थिति कभी नहीं देखी गई। उस समय के बारे में सोचिए जब अरुण जेटली विपक्ष के नेता थे या अटल जी की सरकार के दौरान जब सोनिया गांधी और डॉ. मनमोहन सिंह विपक्ष में थे। क्या ऐसा नजारा पहले कभी देखा गया था।

संपादकीय Editorial

A Green Culture of Transportation

In the image of a green state, the Chief Minister has given the HRTC a significant message and the reins of the work. While conveying the message of frugality, diligence, innovation, and honesty through the 297 e-buses, Sukhwinder Singh Sukhu also sets the next goal, with a fleet of 1,000 electric and 100 hydrogen buses as the next step. The current government is striving to transform the state's transportation system into a green corridor, but a massive campaign is needed to determine whether the entire state will adopt green transportation. While the government has identified six green corridors in the state and four electric bus depots are proposed under the HRTC, this objective will only be achieved by changing the transport culture. Until the use of petroleum fuel in vehicles climbing mountains is completely eliminated, the capacity of electric vehicles will have to be increased. While the Transport Corporation is starting with a few selected routes today, tomorrow some cities and some bus routes will have to be declared fully electric. For example, the day all routes to the capital Shimla become electric, and urban transport and taxi services also run on electricity, Shimla will become a leader in environmentally friendly transportation. If the National Green Tribunal has identified several tourist destinations as promising improved environments, a comprehensive policy is needed in this direction. The private sector needs to be encouraged to connect all cities and tourist and religious sites with green transportation. In particular, the green initiative for taxi operations in Himachal needs to be made a Himachal brand.

A blueprint for the next ten years for the major Green Himachal project, in collaboration with a company like Tata, will be able to present transportation in a better light. If the state's transportation policy is to be successful with a green transportation policy, local transport will have to be provided with new options and innovative solutions.

To reduce the growing demand for private vehicles, local routes for affordable electric taxis will have to be established. Initially, mandatory electric taxis could be implemented in cities like Kullu-Manali, Dharamshala-McLeodganj, Chamba-Khajjiar, Bir-Billing, and Shimla. Otherwise, the lights of electric buses will be dimmed by the increasing vehicle emissions. Additionally, school buses, medical, and industrial vehicles could be converted to electric vehicles in a phased manner. If the state achieves a pollution-free state, major markets should be declared no-vehicle zones and electric carts should be operated there. Furthermore, small and large ropeway routes should be established for local and tourist transportation. A network of ropeways would need to be built from Parwanoo to Shimla, Sundernagar-Mandi, Shahtalai-Deotsidh, Kangra-McLeodganj, Bir to Billing, and Manali-Rohtang. Furthermore, given the geographical conditions of the mountainous region, construction of suspension bridges could encourage pedestrian movement.

The Message of Sawan: A Living Festival of Nature, Meditation, and Collectiveness

The month of Shravan is not merely a festival of Shiva worship and the planting of paddy, but also a sacred message of revitalizing life through conservation of nature, water harvesting, community dining, service, and social harmony. The month of Shravan is not merely a one-month period in Indian life, culture, and consciousness; it is a time when the entire universe enters a cycle of new creation. After the intense heat of summer, when the blue-black clouds gather in the sky and the drops of the Swati constellation fall on the desert-scorched earth, it appears as if nature itself is washing away all its suffering and beginning a new life. The lush greenery spread throughout this time not only soothes the eyes but also reminds the human mind of the eternal truth that life is not endless decay, but a continuous flow of resurrection and creation. Amidst this new creation, the resonance of Shiva worship resonates within the innermost core of the Indian psyche.Lord Shiva, whom we consider the god of well-being and harmony, has an inextricable connection with the month of Shravan. Shiva is not merely an idol placed in a temple; he is the foundation of nature itself, he is the blue-red one, the integrated form of water, air, sky, earth, and fire. When a devotee performs the Jalabhishek of Shiva in Shravan, they are not merely offering a stream of water to a Shivalinga, but are expressing their gratitude to the entire animate and inanimate world. The true meaning of worshipping Shiva is to connect with the consciousness that sustains every particle of creation. That consciousness that teaches us how to provide nectar to the entire world by holding even poison in our throats. This Shivatva of Shravan gives us the message that when nature is at its peak of beauty and creativity, the human mind must also rise above its petty narrow-mindedness and be ready for the welfare of the whole.

Nature's New Creation and Shiva Element

If we observe this spirit of new creation and meditation in the rural areas of India, the true vitality of the month of Shravan comes alive in the fragrant soil of the fields there. As we enter the village limits, we see flowing water in the fields and the hands of farmers knee-deep in mud, busy planting new life. This scene of paddy transplantation is no less than a festival. When rural women and men line up to plant small paddy saplings in the fields, the Kajri songs and folk songs that flow from their throats are not merely a means of entertainment; they are authentic documents of the worship of labor and man's emotional connection with nature. It is the planting of paddy that lays the foundation for the nation's success in the coming months. When each plant is planted in the field, it holds within it not only the hope of food, but also the very fabric of society's life. The collective spirit seen during planting in rural areas is becoming increasingly rare in this era of modernity. Working together in each other's fields, helping each other without any remuneration—this is a living testament to India's ancient cooperative system, which has been the backbone of our culture. The act of planting paddy also teaches us that creation is never solitary; it requires the harmony of water, soil, sunlight, and human labor. Only when this harmony is achieved does the earth smile and bestow its affection in the form of grains. Rural areas, paddy planting, and the folk music of Kajri—amid this paddy planting, in the afternoon, when farmers and laborers sit together under the dense shade of a peepal or banyan tree and share simple food brought from their homes, a shared culture of sharing comes to life that instantly dissolves any social distinctions. Corn sattu, mango pickle, green chilies, and simple roti spread on a handkerchief or banana leaf—when these all come together to form a shared plate, there is no one big or small, no one rich or poor. This sharing of food is not merely a physical act of filling the stomach; it is a sacred ritual of eradicating hatred from the mind.This sharing of food during Shravan teaches us that when we eat together, it is not just a sharing of food, but also a sharing of joys and sorrows. While modern lifestyles have confined people within their four walls, this rural culture of community dining reminds us that our true strength lies in our collective unity. When we share our bread, we also share our emotions. This shared culture preserves India's social fabric, which no external shock can easily break. This community dining during Shravan is truly the unspoken definition of social harmony, learned not from a book but from direct life experiences.Co-eating: A shared plate of social harmony - Another unique manifestation of this community and harmony is seen in the Kanwar Yatra and the continuous flow of devotees during the month of Shravan, where the word 'service' manifests in its purest form. The camps set up at various places for the Kanwariyas walking miles on the roads are not just places for food or rest; they are centers of selfless human compassion. There, the person providing service doesn't ask the recipient's caste, religion, or social status. There's only one sentiment: "Serving a devotee of Shiva is serving Shiva." Applying ointment to the blisters on sweaty feet, providing cool water to tired travelers, and remaining alert day and night without expectation of any reward—this is the service of Shravan that liberates us from a self-centered life and leads us on the path of philanthropy. If we make this spirit of service a permanent part of our daily lives, not just limited to Kanwar camps, our entire society can transform into a sensitive and compassionate family. This festival of service, Shravan, reminds us that devotion lies not only in chanting mantras, but in giving rest to a tired traveler and wiping the tears of the suffering.Kanwar Yatra and Selfless Service-Sadhana—But, in this holy month, when we talk about devotion, service, and new creation, a bitter truth confronts us—our increasing neglect of nature. The water we use to anoint Lord Shiva, the beauty of which we write poems, is today endangered by human greed. Therefore, cleanliness and water conservation during the month of Shravan should not merely be moral teachings but an essential pledge to protect our very existence.Shiva is called 'Jaldhar'; he is the protector of water. But today, our rivers, ponds, and groundwater sources are polluted and depleted. If we go to a temple and offer water to Shiva, then pollute the same water source or waste it as soon as we leave, our worship is incomplete and merely a show. The true message of Shravan is that we resolve to conserve every drop of rain. Revive traditional water conservation methods like ponds, lakes, and wells, and incorporate modern rainwater harvesting into our lives. Until we awaken a reverential attitude towards water, we cannot understand the true essence of Shiva worship. Water is the foundation of life, and its conservation is the greatest worship of Shiva.True Shiva Abhishek: Pledge to conserve water and cleanliness - Along with water conservation, cleanliness also becomes a primary necessity of this season. While raindrops wash the entire earth clean during Shravan, the increased humidity also increases the risk of disease and the spread of dirt. Therefore, keeping our surroundings clean is not just an administrative responsibility; it becomes our cultural and spiritual responsibility. Where there is cleanliness, there resides Shiva. One of Shiva's names is "Sundaram," and that which is beautiful can never be unclean. Keeping our homes, streets, villages, and places of worship clean is truly a manifestation of our devotion to God. If every citizen makes a firm resolve to keep their surroundings clean during this month of Shravan, it will not only prevent countless diseases, but also free our sacred rivers and water sources from the heavy burden of pollution. Cleanliness is not a one-day campaign; it is a way of life that we must deeply embrace during this holy season of Shravan. When cleanliness and water conservation become our habits, the next natural step is environmental conservation. It would not be an exaggeration to call the month of Shravan the "Festival of Planting." This is a time when the soil is moist, the air is conducive, and every element of nature supports the germination and growth of plants. A small sapling planted during this season can become a huge banyan tree tomorrow, providing oxygen and shade to generations to come. In our ancient culture, trees have been considered deities—Vasudeva was seen residing in the Peepal tree, Shiva in the Banyan, and Durga in the Neem tree. This was not merely a religious concept, but a highly scientific and visionary approach of our ancestors to protecting the environment. Today, when the crisis of climate change is knocking at the door of all humanity, when untimely rains, extreme heat, and natural disasters are becoming commonplace, Shravan's message of environmental conservation becomes even more relevant. We must abandon the tendency to exploit nature solely for our own needs and adopt the policy of "nurturing nature." This Shravan, every person should pledge to plant at least one tree and care for it like their own child. This will be the greatest gift to our future generations and our true tribute to Lord Shiva.

Planting trees and social participation—these entire concepts—whether it be Shiva worship, paddy planting, shared meals, service, water conservation, or environmental conservation—are incomplete without the thread of "social participation." Major change cannot come about solely through government policies or individual efforts; it requires the entire society to come together. Public participation is the power that transforms a simple campaign into a mass movement. When every person in the village, every citizen in the city, young, old, and children, all together decide to protect the water sources in their area, plant trees around them, and create an atmosphere of harmony in their society, then no goal remains impossible. Social participation means transcending our personal self-interest and thinking for the whole. The month of Shravan connects us with this collective spirit. When millions of people walk together carrying the Kanwar, it is a form of social participation; when the entire village comes together to plant saplings in the fields, that too is participation.Now is the time to use this participation to save our environment, our rivers, and our social unity.The month of Shravan inspires us to look at life from a new perspective. This month is not just about changing from one date on the calendar to another; it is a time for the rebirth of our conscience. It teaches us that devotion lies not in meditating with closed eyes, but in seeing with open eyes the sufferings of nature around us, our society, and our fellow human beings, and alleviating them. When we see the moon and the Ganges adorning Shiva's head, we understand that Shiva himself symbolizes the balance of nature. If we are to receive Shiva's blessings, we must restore the balance that we have disrupted due to our modern lifestyle. Let us return to our roots this Shravan month. Let us listen to the music.

यूपी में IPS वाली कांवड़: एक तरफ सीएम योगी, दूसरी ओर लगी एसपी की तस्वीर; संभल पहुंचते ही गूंजे बिश्नोई के नारे

संभल शहर के युवा बृजघाट से पदयात्रा कर विशेष कांवड़ लेकर लौटे हैं। इसमें 41 लीटर गंगाजल लाया गया है। शिवरात्रि पर इस गंगाजल से सिद्धपीठ श्रीपातालेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया गया। इस कांवड़ पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संभल के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई की तस्वीरें लगी हैं।सावन की कांवड़ यात्रा के बीच संभल में कांवड़ की दो अलग-अलग तस्वीरें चर्चा में हैं। एक कांवड़ पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संभल के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई की तस्वीरें लगी हैं। 41 लीटर गंगाजल लेकर संभल पहुंचे युवाओं की इस विशेष कांवड़ का लोगों ने जोरदार स्वागत किया। वहीं दूसरी ओर संभल का मुस्लिम युवक सलमान सिर पर टोपी पहनकर हरिद्वार से 21 लीटर गंगाजल लेकर कांवड़ यात्रा कर रहा है। सलमान का कहना है कि वह समाज में प्रेम, भाईचारे और मोहब्बत का संदेश देने के लिए अपनी इच्छा से कांवड़ यात्रा पर निकला है।कांवड़ पर योगी और एसपी की तस्वीर- हयातनगर निवासी निखिल प्रजापति अपने साथियों के साथ पांच अगस्त को बृजघाट से कांवड़ लेने के लिए रवाना हुए थे। युवाओं का जत्था पैदल यात्रा करते हुए 41 लीटर गंगाजल लेकर सोमवार को संभल पहुंचा। मंगलवार को सिद्धपीठ श्रीपातालेश्वर महादेव मंदिर में इसी गंगाजल से जलाभिषेक किया गया। इस विशेष कांवड़ पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संभल के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई की तस्वीरें लगी हुई थीं।कांवड़ लेकर पहुंचे युवाओं का लोगों ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान एसपी बिश्नोई के समर्थन में नारे भी लगाए गए। निखिल ने बताया कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई से प्रभावित हैं। इसी कारण उन्होंने कांवड़ को विशेष रूप देने का फैसला किया। कांवड़ यात्रा के दौरान प्रशासन ने भी सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए।जामा मस्जिद के पास से गुजरा कांवड़ियों का जत्था- कांवड़ यात्रा के दौरान एक जत्था जामा मस्जिद के नजदीक से भी गुजरा। संवेदनशील क्षेत्र होने के कारण यहां सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम किए गए थे। पुलिस के साथ आरआरएफ और पीएसी के जवानों को भी तैनात किया गया। अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा के दौरान किसी तरह की अप्रिय स्थिति न हो, इसके लिए लगातार निगरानी रखी।टोपी पहनकर हरिद्वार से 21 लीटर गंगाजल लेकर निकला सलमान- इसी कांवड़ यात्रा के बीच संभल के मुस्लिम युवक सलमान की तस्वीर भी लोगों का ध्यान खींच रही है। संभल जिले के पीर बहादुर गांव निवासी सलमान अपने साथी कांवड़ियों के साथ हरिद्वार से 21 लीटर गंगाजल लेकर पैदल अपने गांव की ओर लौट रहा है। जब सलमान सिर पर टोपी पहनकर हसनपुर और रहरा क्षेत्र से गुजरा तो रास्ते में लोगों ने उसकी कांवड़ यात्रा को देखा।उसके साथ चल रहे वरिष्ठ साथी मोतीलाल ने बताया कि सलमान किसी दबाव या मन्नत के कारण कांवड़ यात्रा में शामिल नहीं हुआ है। वह अपनी इच्छा और आस्था के साथ यात्रा कर रहा है। सलमान का कहना है कि उसका उद्देश्य समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और मोहब्बत का संदेश मजबूत करना है। वह हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गांव पीर बहादुर स्थित शिव मंदिर में जलाभिषेक करेगा।कांवड़ यात्रा के चलते बदला यातायात का रूट- कांवड़ यात्रा के कारण संभल जिले में यातायात व्यवस्था में भी बड़ा बदलाव किया गया है। अमरोहा होकर जाने वाले यातायात को संभल जिले की ओर डायवर्ट किया गया है। दिल्ली, मेरठ और अलीगढ़ की तरफ जाने वाले यातायात को गंगा एक्सप्रेसवे से आगे भेजा जा रहा है।गंगा एक्सप्रेसवे पर वाहनों को संभल के खिरनी इंटरचेंज से ही प्रवेश और निकासी की अनुमति दी गई है।चंदौसी-बबराला मार्ग पर बने लहरावन इंटरचेंज से भारी वाहनों के प्रवेश और निकासी पर रोक लगाई गई है। यह रूट डायवर्जन शुक्रवार रात से मंगलवार शाम तक लागू किया गया है।24 घंटे में 35 हजार से ज्यादा वाहन गुजरने का अनुमान- रूट डायवर्जन के कारण संभल की सड़कों पर वाहनों का दबाव अचानक बढ़ गया है। सोमवार को 24 घंटे में जिले की सड़कों से 35 हजार से अधिक वाहनों के गुजरने का अनुमान लगाया गया। बड़ी संख्या में वाहनों के गुजरने के कारण संभल-मुरादाबाद और संभल-चंदौसी मार्ग पर दिनभर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। लगातार भारी यातायात के कारण हाल में सड़कों पर कराया गया पेंचवर्क भी कई जगह उखड़ने लगा है। यातायात को नियंत्रित करने के लिए यातायात पुलिस के साथ संबंधित थानों की पुलिस को भी लगाया गया है। पुलिसकर्मी प्रमुख चौराहों और डायवर्जन प्वाइंट पर तैनात रहकर वाहनों को निर्धारित मार्ग से निकाल रहे हैं। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि कांवड़ यात्रा को देखते हुए यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। रूट डायवर्जन के दौरान वाहनों की आवाजाही पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि कांवड़ियों की यात्रा के साथ आम लोगों को भी परेशानी न हो

संक्षिप्त समाचार

कांवड़ियों के लिए सड़क तो नमाज के लिए क्यों नहीं, कांवड़ यात्रा के बीच संभल सांसद बर्क ने उठाए सवाल

संभल के सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कांवड़ यात्रा के दौरान सड़क के इस्तेमाल का हवाला देते हुए नमाज के लिए भी

अनुमति या उपलब्ध वैकल्पिक स्थान कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि मस्जिदों में जगह कम होने के कारण ईद और जुमे की नमाज लोग मजबूरी में बाहर अदा करते हैं। सावन में कांवड़ यात्रा के बीच संभल के सांसद एवं सपा नेता जियाउर्रहमान बर्क ने अजीबो-गरीब बयान देकर लोगों को चौंका दिया है। उनका कहना है कि यदि कांवड़ यात्रा के लिए सड़कों का उपयोग हो सकता है, तो नमाज के लिए क्यों नहीं। इसके लिए भी सरकार को अनुमति देनी चाहिए या वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराना चाहिए।सांसद ने दीपा सराय स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज को सड़क पर नमाज पढ़ने में खुशी नहीं होती है। मस्जिदों में पर्याप्त जगह न होने के कारण लोग ईद और जुमे की नमाज मजबूरीवश मस्जिदों के बाहर अदा करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार के साथ खिलवाड़ कर रही है। बोले, लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी नागरिकों को समान धार्मिक अधिकार मिलने चाहिए। उन्होंने कहा, यदि सरकार को सड़क पर नमाज से आपत्ति है।तो उसे नमाज अदा करने के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराना चाहिए। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मौलाना साजिद रशीदी ने जो टिप्पणी की है, वह उनके व्यक्तिगत विचार हैं।

मुरादाबाद में बंदरों के आतंक से मिलेगी राहत : नगर निगम ने बनाई 4 विशेष टीमें, जंगलों में छोड़े जाएंगे बंदर

मुरादाबाद में बंदरों के आतंक से निजात दिलाने के लिए नगर निगम ने 4 विशेष टीमें बनाई हैं। वन विभाग की मदद से बंदरों को पकड़कर जंगलों में छोड़ा जाएगा। शहरवासियों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है। मुरादाबाद में लंबे समय से चले आ रहे बंदरों के बढ़ते आतंक और उत्पात से निपटने के लिए नगर निगम ने कमर कस ली है। इस समस्या से स्थायी निजात दिलाने के लिए पूरे शहर को चार अलग-अलग जोन में बांटा गया है और प्रत्येक जोन के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है। टास्क फोर्स की निगरानी में वन विभाग के साथ चलेगा अभियान यह विशेष अभियान जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित %जिला टास्क फोर्स% के तहत चलाया जाएगा। नगर निगम की भूमिका- अभियान के लिए आवश्यक सभी संसाधन जैसे जाल, पिंजरे और रस्सी आदि नगर निगम द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे। वन विभाग की भूमिका- वन विभाग के विशेषज्ञ बंदरों को सुरक्षित तरीके से पकड़ने और उन्हें शहर से दूर चिह्नित वन क्षेत्रों (जंगलों) में छोड़ने में अपनी तकनीकी सहायता प्रदान करेंगे। चार जोन में बंटा शहर, इन अधिकारियों को मिली जिम्मेदारी- बंदरों के सबसे ज्यादा उत्पात वाले स्थानों की पहचान कर वहां प्रभावी कार्रवाई करने के लिए 4 टीमें बनाई गई हैं

छात्रा ने यूट्यूब पर देखा वीडियो, आईफोन के लालच में गंवाए 18.47 लाख, पता चलने पर परिजन रह गए सन्न

मझोला थाना क्षेत्र में 12वीं की छात्रा यूट्यूब वीडियो के जरिए साइबर ठगी का शिकार हो गई। रकम दोगुनी करने और आईफोन देने का झांसा देकर साइबर ठग ने छात्रा से करीब 18.47 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। रकम वापस नहीं मिलने पर छात्रा ने परिजनों को जानकारी दी, जिसके बाद पिता ने साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। मझोला थाना क्षेत्र में रहने वाली 12वीं कक्षा की नाबालिग छात्रा ने रकम दोगुनी होने और आईफोन मिलने के लालच में अपनी मां और बुआ के खाते से साइबर ठग को 18 लाख 47 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। आरोपी ने यूट्यूब पर एक वीडियो पोस्ट कराने के बाद छात्रा को अपनी जाल में फंसाया था। छात्रा के पिता ने साइबर अपराध थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मझोला थाना क्षेत्र में रहने वाले दवा कंपनी में सीनियर एमआर ने साइबर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी 16 वर्षीय बेटी नौ जुलाई को मोबाइल पर यूट्यूब पर एक वीडियो देख रही थी। इसी दौरान एक वीडियो में बताया गया कि 799 रुपये ट्रांसफर करने पर रकम दोगुनी हो जाएगी और नया आईफोन दिया जाएगा।इसी लालच में आकर छात्रा ने 799 रुपये आरोपी के बताए गए क्यूआर कोड पर भेज दिए। इसके छात्रा के व्हाट्सएप नंबर पर मैसेज आया और लिंक भेज दिया। यह मैसेज आदित्य शमशेर माला के नाम से भेजा गया था। जिसमें प्रोसेसिंग के नाम पर 16 हजार 998 रुपये और भेजे। इसके बाद भी न रकम वापस आई और न ही आईफोन मिला। पीड़िता ने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपी ने उसे झांसा दे दिया कि पुरानी सारी रकम वापस आ जाएगी। आरोपी ने छात्रा से 10 जुलाई से लेकर सात अगस्त के बीच अलग-अलग क्यूआर कोड पर 18 लाख 74 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी ने यह रकम अपनी मां के दो खातों और अपनी बुआ के खाते से ट्रांसफर की है। छात्रा ने आरोपी से अपनी रकम वापस मांगी तो उसने बताया कि यह रकम इंटरनेशनल गेटवे में फंस गई है। इसके अलावा भी आरोपी पीड़िता से रकम मांग रहा है। इसके बाद पीड़िता ने अपने पिता को आपबीती सुनाई। इसके बाद उन्हें साइबर ठगी की जानकारी हुई।पुलिस अधीक्षक क्राइम सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। साइबर थाने की टीम ने इस मामले की विवेचना शुरू कर दी और पीड़ित की रकम वापस कराने और आरोपियों की गिरफ्तारी के बारे में जानकारी करने में जुटाई जा रही है।डिप्रेशन में छात्रा, परिजन कर रहे निगरानी मुरादाबाद। साइबर ठगी की शिकार हुई छात्रा डिप्रेशन में आ गई है। परिवार के लोगों का कहना है कि बेटी बहुत परेशान है। कई बार छात्रा की हालत बिगड़ चुकी है। परिजन डॉक्टर के पास भी छात्रा को ले गए हैं। इसके अलावा छात्रा की निगरानी की जा रही है।

संभल में 57.80 लाख की वित्तीय गड़बड़ी, जवाब नहीं देने पर सीडीओ को मंडलायुक्त का नोटिस

संभल के क्षेत्र पंचायत रजपुरा में 57.80 लाख रुपये की वित्तीय अनियमितता के मामले में स्पष्ट आख्या नहीं देने पर मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने मुख्य विकास अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। ई-ग्राम कार्यों की आईडी और अभिलेखों में 30 कार्यों का विवरण जवाब नहीं मिलने पर मंडलायुक्त मंडलायुक्त ने संभल जिले के बताओ नोटिस जारी किया है। अनियमितता के मामले में पत्र आख्या नही प्रस्तुत की है। इसी

स्वराज पोर्टल की जांच में वाउचरों, में कई विसंगतियां मिली थीं। मामले सीडीओ को भेजा गया था, लेकिन ने सख्त रुख अपनाया है।मुरादाबाद मुख्य विकास अधिकारी को कारण आरोप है कि 57 लाख रुपये की भेजने के बावजूद सीडीओ ने अपनी कारण मंडलायुक्त ने सख्त रुख अपनाया है। मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने समीक्षा के दौरान संभल जिले के क्षेत्र पंचायत रजपुरा में किए गए कार्यों के भुगतान की गड़बड़ी पकड़ी थी। बताया गया कि ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर क्षेत्र पंचायत रजपुरा के 15वें वित्त आयोग के नमूना परीक्षण में व्यय के कराए गए 08 वाउचरों की धनराशि 57,80,975 रुपये थी।इस मामले में छह वाउचरों के माध्यम से भुगतान वर्ष 2021-22 से 2024-25 तक की पूर्व वर्षों के कार्यों की आईडी पर प्रदर्शित है। सभी वाउचरों में एक्टिविटी कोड का विवरण एवं स्पेशल डायरी में अंकित कार्य परस्पर भिन्न है। टाइड ग्रांट से इंटरलाकिंग जैसे कार्य एवं अन्य कार्यों पर व्यय दर्शाया गया है।लेखा शीर्षों के चयन में विसंगति है। एक ही तिथि को एक ही फर्म को अलग अलग वाउचरों से भुगतान किया गया है। इनके समर्थन में माप पुस्तिका, कार्यादेश, तकनीकी स्वीकृति या निविदा/जेम अभिलेख पोर्टल पर संलग्न नहीं पाए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं वित्तीय वर्ष 2026-27 में ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर व्यय वाउचर की समीक्षा किए जाने पर काफी अनियमितता पकड़ी गई हैं।इसमें 30 कार्यों का विवरण मंडलायुक्त ने 30 जुलाई को सीडीओ को भेजा था। सीडीओ ने इस मामले में मंडलायुक्त को अपनी स्पष्ट आख्या नहीं दी है। मंडलायुक्त का कहना है कि अनियमितता के मामले में जबाव नहीं देने पर सीडीओ को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इधर सीडीओ ने जवाब देने के लिए सभी विकास खंड अधिकारियों को तलब किया है।

सड़क पर पड़ा रहा शव, 3 घंटे तक हंगामा: कुंदरकी में महिला की हत्या के बाद भागे ससुराली, गले पर मिले चोट के निशान

कुंदरकी में मिथलेश की मौत के बाद ससुरालियों और मायके वालों के बीच मारपीट हुई, जिसके बाद ससुराली शव सड़क पर छोड़कर फरार हो गए। गले पर चोट के निशान देख मायके वालों ने पति सहित पांच ससुरालियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है।मुहल्ला नुरुल्ला निवासी मिथलेश की मौत के बाद ससुरालियों और स्वजन के बीच सोमवार जमकर मारपीट हुई, जिसके बाद ससुराली शव सड़क पर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस चौकी के पास करीब तीन घंटे चले हंगामे के दौरान महिला का शव सड़क पर ही रखा रहा।

गले और शरीर पर चोट के निशान देख गुस्साए स्वजन ने पति सहित पांच ससुरालियों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई है। वहीं आरोपितों ने मिथलेश की मौत करंट लगने से होना बताया है। मौके पर पहुंचीं फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्रित कर अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है।भगतपुर थाना क्षेत्र के

परशुपुरा बाजे गांव निवासी प्रीतम सिंह ने बताया कि उन्होंने अपनी बहन मिथलेश की शादी 2021 में मुहल्ला नुरूल्ला निवासी राहुल से की थी। आरोप है कि शादी के बाद से अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर ससुराली जन उसे प्रताड़ित करते रहते थे।मिथलेश की बहन प्रवेश देवी ने बताया कि रविवार रात राहुल और उसके स्वजन मिथलेश के साथ मारपीट कर रहे थे, वह बीच बचाने पहुंची तो उनके साथ अभद्रता कर दी। आरोप है कि देर रात मारपीट के दौरान आरोपितों ने मिथलेश की गला दबाकर हत्या कर दी। सुबह पड़ोसियों को करंट लगने से मौत होने की झूठी बात बताकर वह पहले मिथलेश को सीएचसी ले गए फिर मुरादाबाद जिला अस्पताल ले गए। जहां मृत घोषित होने के बाद स्वजन शव लेकर कुंदरकी पुलिस चौकी के पास पहुंचे थे।

तभी मायके से पहुंचे भाई प्रीतम सिंह, सुनील कुमार और बहन प्रवेश देवी का ससुरालियों से आमना सामना हो गया। मिथलेश के शव के गले और शरीर पर चोटों के निशान देख स्वजन आक्रोशित हो गए। दोनों पक्षों में बहस होने के बाद मारपीट शुरु हो गई। इस दौरान करीब तीन घंटे तक शव सड़क पर ही रखा रहा। मामले की जानकारी मिलने पर सीओ अशोक कुमार, नायब तहसीलदार अभिनय कुमार, चौकी प्रभारी संजय त्यागी और फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। दोनों पक्षों को शांत कराया। साक्ष्य एकत्रित किए। मृतका के भाई प्रीतम सिंह की तहरीर पर पति राहुल पाल, मुन्ना सिंह, माया, दीक्षा व हिद्रेश के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इधर मौका देख आरोपित भाग निकले। बहन ने कराई थी मिथलेश की शादी- पड़ोस में रहने वाली प्रवेश देवी ने बताया कि उन्होंने ही बहन मिथलेश की शादी राहुल से कराई थी। मिथलेश के तीन बच्चे कनिष्ठा (5), पारस (4) और अनुष्का एक साल की है। वही करंट से मौत होने की बात स्वजन के गले नहीं उतर रही है। प्रकरण में शिकायती पत्र के आधार पर ससुराल पक्ष के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जल्दी ही आरोपितों को गिरफ्तार कराया जाएगा।- कुंवर आकाश सिंह, एसपी देहात

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मलकपुर सेमली में तेंदुए का आतंक, खेत काम कर रहे युवक पर तेंदुए ने किया हमला, ग्रामीणों में दहशत

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी – मलकपुर सेमली में तेंदुए का हमला, खेत में काम कर रहा युवक घायल डिलारी थाना क्षेत्र के ग्राम मलकपुर सेमली में तेंदुए के हमले से एक युवक घायल हो गया। मंगलवार करीब दोपहर 12 बजे की बताई जा रही है। बताया गया कि तीन भाई अपने खेत में खाद बिखेरने का काम कर रहे थे। इसी दौरान तेंदुए ने पुष्पेंद्र को अकेला पाकर उस पर हमला कर दिया। तेंदुए के हमले में पुष्पेंद्र घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजनों और ग्रामीणों ने घायल पुष्पेंद्र को तत्काल सीएचसी डिलारी पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में घायल का इलाज चल रहा है। मलकपुर सेमली और आसपास के क्षेत्र में लगातार तेंदुए के हमलों की घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीण खेतों में जाने से भी डर रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि आदमखोर तेंदुए को जल्द से जल्द पकड़कर क्षेत्र में बढ़ रही दहशत को खत्म किया जाए।

सुधार की राह पर जिला कारागार जेल, शिक्षा से बदलेगा बंदियों का भविष्य, 27 निरक्षर बंदियों को बनाया जाएगा साक्षर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जिला कारागार में निरक्षर बंदियों को साक्षर बनाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया। वर्तमान में जेल में 27 निरक्षर बंदी हैं, जिनका पंजीकरण कर लिया गया है। मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव जया प्रियदर्शिनी ने अभियान का शुभारंभ करते हुए बंदियों को पुस्तक, कॉपी, पेन, पेंसिल व स्लेट की किट वितरित की। उन्होंने बंदियों से जेल में समय का सदुपयोग करते हुए पढ़ाई-लिखाई कर बेहतर इंसान बनने का आह्वान किया। बंदियों को शिक्षा देने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग से शिक्षक की तैनाती की गई है, जो प्रतिदिन तीन से चार घंटे पढ़ाएंगे। 20 सितंबर को साक्षरता परीक्षा आयोजित होगी। साथ ही कक्षा-5, 8, हाईस्कूल, इंटर व डिग्री स्तर की शिक्षा की भी व्यवस्था की जा रही है।कार्यक्रम में जेल अधीक्षक मौ. अकरम खां, जेल अधीक्षक आलोक कुमार शुक्ला, डिप्टी जेलर राजेंद्र सिंह वर्मा, वीरेंद्र प्रताप सिंह, सौमित्र देव त्रिपाठी, देवदत्त, जिला समन्वयक साक्षरता आशीष, शिक्षाध्यापक संजीव गंगवार, चीफ हेड वार्डर रामगोपाल सिंह एवं महिला जेल वार्डर रीना सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एंबुलेंस के उपकरण जांचते-जांचते CMO ने चेक कराया अपना शुगर लेवल, 48 आते ही मचा हड़कंप

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जिला अस्पताल में सोमवार को उस समय अचानक हलचल मच गई, जब मुख्य चिकित्सा अधिकारी (CMO) एंबुलेंस में लगे चिकित्सा उपकरणों का निरीक्षण कर रहे थे। निरीक्षण के दौरान अचानक उन्होंने अपना ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल भी जांच कराने का फैसला किया। शुगर की पहली जांच में रीडिंग 48 आते ही मौके पर मौजूद कर्मचारियों और डॉक्टरों में चिंता बढ़ गई। जानकारी के मुताबिक CMO जिला अस्पताल परिसर में खड़ी एंबुलेंस में उपलब्ध चिकित्सा उपकरणों और उनकी स्थिति का जायजा ले रहे थे। इसी दौरान उन्होंने अचानक अपना बीपी और ब्लड शुगर चेक कराने को कहा। जांच शुरू हुई तो मशीन पर शुगर की रीडिंग 48 दिखाई दी। इतनी कम रीडिंग सामने आते ही आसपास मौजूद लोगों का ध्यान CMO की तबीयत की ओर चला गया। 48 की रीडिंग ने पैदा किया मशीन खराब होने का शक पहली जांच में शुगर 48 आने के बाद मौके पर मौजूद लोगों में कुछ देर के लिए असमंजस की स्थिति रही। तत्काल यह भी आशंका जताई गई कि कहीं शुगर जांच करने वाली मशीन की रीडिंग में तकनीकी गड़बड़ी तो नहीं है। स्थिति स्पष्ट करने के लिए CMO की दोबारा जांच कराने का फैसला किया गया। दूसरी बार जांच में भी शुगर 57, चिंता और बढ़ी जब दूसरी बार CMO का ब्लड शुगर चेक किया गया तो मशीन पर रीडिंग 57 आई। दूसरी जांच में भी सामान्य से कम रीडिंग आने के बाद मौके पर मौजूद डॉक्टर और कर्मचारी सतर्क हो गए। इसके बाद एहतियात के तौर पर CMO को आराम कराने का फैसला लिया गया। शुगर की लगातार कम रीडिंग आने के बाद अस्पताल के कर्मचारियों और डॉक्टरों ने CMO को जिला अस्पताल स्थित कार्यालय के प्राइवेट रूम में ले जाकर बैठाया। इस दौरान डॉक्टरों और कर्मचारियों की निगाहें CMO की तबीयत पर बनी रहीं। हालांकि, कुछ देर बाद उनकी स्थिति सामान्य बताई गई। प्राइवेट रूम ले जाते ही अस्पताल में चर्चाएं तेज CMO को कर्मचारियों और डॉक्टरों के साथ प्राइवेट रूम की ओर जाते देखकर जिला अस्पताल परिसर में अचानक चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। अस्पताल में मौजूद लोगों और कर्मचारियों के बीच ष्टरूह्र की तबीयत को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं। कुछ देर के लिए पूरे परिसर का माहौल बदल गया। घटनाक्रम के बाद जब CMO से उनकी तबीयत के बारे में जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि अब वह पूरी तरह स्वस्थ हैं। हाल उन्हें किसी गंभीर परेशानी का सामना नहीं है और उनकी स्थिति सामान्य है। निरीक्षण करने पहुंचे थे, खुद की जांच ने मचा दी हलचल पूरे घटनाक्रम की शुरुआत 108 एंबुलेंस के निरीक्षण से हुई। CMO एंबुलेंस में उपलब्ध चिकित्सा उपकरणों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने अपना बीपी और शुगर लेवल चेक कराया। पहली जांच में 48 और दूसरी जांच में 57 शुगर रीडिंग आने के बाद कुछ समय के लिए जिला अस्पताल में हलचल मच गई।

लेटे हुए हनुमान मंदिर पर डीएम ने किया फोकस सुविधाओं के साथ निर्माण की गुणवत्ता पर दिया जोर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । रामगंगा चौबारी स्थित प्रसिद्ध लेटे हुए हनुमान जी मंदिर में चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों का जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने मंगलवार को स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्यों की प्रगति देखी और संबंधित अधिकारियों से जानकारी लेते हुए शेष कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर लेटे हुए हनुमान जी के दर्शन किए। उन्होंने जनपद की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी को बताया गया कि मंदिर परिसर में मल्टीपरपज हॉल, शौचालय, इंटरलॉकिंग, श्रद्धालुओं के बैठने के लिए बेंच, पेड़-पौधे तथा बोरिंग का कार्य पूरा हो चुका है। वहीं मंदिर के प्रवेश द्वार का निर्माण कार्य भी शीघ्र शुरू कराया जाएगा। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष निर्माण कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण में गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता न हो और मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं बेहतर व्यवस्थाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। निरीक्षण के दौरान मंदिर के पुजारी सहित संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

रुविवि में एल.एल.एम. व पी एच डी छात्रों का हुआ दीक्षारंभ का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। रुहेलखंड विवि के विधि विभाग में दीक्षारम्भ इंडक्शन कार्यक्रम एल एल एम जनरल, सेल्फ फाइनेंस एवं ह्यूमन राइट्स के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों व पी एच डी स्कॉलर के लिए यू जी सी के निर्देशानुसार आयोजित किया गया विभागाध्यक्ष डॉ अमित सिंह ने विद्यार्थियों का स्वागत किया व अपने संबोधन में कहा कि आज से आपकी ऑफिशियल एजुकेशन स्टार्ट होगी एल एल एम विधिक शिक्षा के साथ-साथ पर्सनालिटी डेवलपमेंट का भी माध्यम है कोर्स ऑफ स्टडी और रिसर्च की जानकारी दी उन्होंने कहा कि यह समय विद्यार्थियों का सबसे महत्वपूर्ण समय है इसके उपरांत ही वह समाज को कुछ देने के लिए तैयार होते हैं और उनमें महत्वपूर्ण निर्णय की लेने की स्किल विकसित होती है इस कोर्स के उपरांत ही एक विद्यार्थी विशेषज्ञ के रूप में स्वयं को स्थापित करता है व विश्वविद्यालय परिवार , स्टेडियम, पांचाल संग्रहालय, केंद्रीय पुस्तकालय व विधि विभाग के एनवायरमेंट व कल्चर की जानकारी के साथ-साथ विद्यार्थियों के करियर की संभावना ,लीगल एंड क्लिनिक ऐड और रिसर्च एक्टिविटी ,इंटर्नशिप लघु शोध की जानकारी देते हुएं छात्रों को एक विशेषज्ञ के रूप में खुद को स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। संबंधित फैकल्टी प्रो.वी के गुप्ता, प्रो.अरुण प्रकाश सिंह, डॉ शहनाज़ अख्तर ,डॉ अनुराधा यादव,डॉ निधि शंकर व प्रेक्षा सिंह ने विद्यार्थियों से इंटरेक्शन किया व आंतरिक व मुख्य परीक्षाओं की जानकारी,व सिलेबस की जानकारी साझा की। प्रो ऑफ प्रैक्टिस पद पर नियुक्त श्री अवधेश कुमार पांडे का स्वागत विभागाध्यक्ष प्रो अमित सिंह द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर किया। संपूर्ण कार्यक्रम के विभागाध्यक्ष डॉ अमित सिंह के निर्देशन में पूरा किया गया।

छोटे भाई के सामने बहन से सामूहिक दुष्कर्म, पीड़िता के गांव पहुंचे एसएसपी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। एक किशोरी के साथ उसके छोटे भाई के सामने सामूहिक दुष्कर्म की घटना ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मेडिकल जांच में भी दुष्कर्म की पुष्टि हो गई है। घटना के बाद एसएसपी अनुराग आर्य पीड़िता के गांव पहुंचे। घटनास्थल का मुआयना किया। आरोपियों की धरपकड़ के लिए टीमें गठित कर दी हैं। घटनाक्रम नवाबगंज क्षेत्र के एक गांव का है। किशोरी अपने छोटे भाई के साथ बकरियां चराने गई थी। मां दूसरे खेत पर घास काट रही थीं। आरोप है कि पड़ोसी गांव का विमलेश अपने साथी के साथ किशोरी के पास पहुंचा। उसे जबरन गन्ने के खेत में खींच ले गया। किशोरी और उसका छोटा भाई रोने-चिल्लाने लगे। आरोप है कि विमलेश और उसके साथ ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। बहन के साथ हैवानियत देखकर मासूम भाई छटपटा कर रह गया। पुलिस ने विमलेश और एक अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। पीड़ित किशोरी का मेडिकल कराया गया। जांच में भी दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात सामने आने के बाद एसएसपी अनुराग आर्य ने पीड़िता के गांव पहुंचे। पीड़ित परिवार से मिले। घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। एसएसपी ने आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए हैं। पीड़ित परिवार को न्याय का भरोसा दिलाया है। उधर, घटना के बाद से इलाके हलचल मची है। हर कोई हैरान है। दोनों गांवों में सन्नाटा छाया है। इस घिनौनी वारदात पर हर कोई हैरान है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

भुता में निकाली गई तिरंगा यात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच /शेर सिंह/ भुता, मंगलवार को देश प्रेमियों द्वारा क्षेत्र के गांव सैदपुर कुर्मियांन में मीना बाजार से लेकर ग्राम केसरपुर शिशु मंदिर तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस तिरंगा यात्रा का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष विकास पटेल द्वारा किया गया। तिरंगा यात्रा में विथरी चैनपुर विधायक राघवेंद्र शर्मा व ब्लॉक प्रमुख हरेंद्र सिंह पटेल भी उपस्थित रहे।सभी देश प्रेमियों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय के जयकारे लगाकर यात्रा में शामिल सभी लोगों का उत्साह बढ़ाया। यात्रा के दौरान पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद दिखाई दिया।

रायभुड मुनीमपुर में तेंदुए की दहशत, वन विभाग ने लगाया पिंजरा

क्यूँ न लिखूँ सच / ठाकुरद्वारा क्षेत्र के रायभुड मुनीमपुर गांव में तेंदुए की लगातार मौजूदगी की सूचना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र के जंगलों में आज भी कई तेंदुए दिखाई देने की सूचना मिल रही है। तेंदुए के डर के चलते ग्रामीणों को पशुओं के लिए चारा लेने और खेतों में कृषि कार्य करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण अब अकेले जंगल की ओर जाने से बच रहे हैं और कई-कई लोगों के समूह बनाकर पशुओं के लिए चारा लेने जा रहे हैं। ग्रामीणों का दावा है कि जंगल में कई तेंदुए देखे गए हैं, जिसकी सूचना वन विभाग को भी दी गई है। ग्रामीणों की सूचना के बाद वन विभाग ने रायपुर मुनीमपुर में तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगा दिया है। वन विभाग की टीम तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रख रही है और उसे जल्द पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। तेंदुए की लगातार मौजूदगी को लेकर ग्रामीणों में भय बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने और तेंदुओं को जल्द पकड़कर ग्रामीणों को राहत दिलाने की मांग की है।

21 से 23 अगस्त तक विशेष लोक अदालत. सुलह-समझौते से निपटेंगे सुप्रीम कोर्ट के लंबित वाद

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। लंबित न्यायिक मामलों के त्वरित एवं आपसी सुलह-समझौते के आधार पर समाधान के लिए बरेली में 21 से 23 अगस्त 2026 तक समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) का आयोजन किया जाएगा। इसमें माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित वादों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण किए जाने की पहल की जाएगी। अपर सिविल जज (सी.डी.) एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की जया प्रियदर्शिनी ने बताया कि विशेष लोक अदालत का उद्देश्य अधिक से अधिक लंबित मामलों का सौहार्दपूर्ण ढंग से समाधान कर पक्षकारों को त्वरित न्याय दिलाना है।

बरेली-चंदौसी-मुरादाबाद रेल लाइन का होगा दोहरीकरण

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बरेली होकर गाजियाबाद से सीतापुर तक तीसरी और चौथी रेल लाइन को मंजूरी मिलने के बाद रेलवे ने अब बरेली-चंदौसी-मुरादाबाद रेल लाइन के दोहरीकरण के फाइनल लोकेशन सर्वे को हरी झंडी दे दी है। 114 किमी की इस रेल लाइन के दोहरीकरण के लिए पांच साल से फाइल दौड़ रही थी। इस सिंगल लाइन पर 14 जोड़ी मेल, एक्सप्रेस, सुपरफास्ट और पैसेंजर ट्रेनों का संचालन होता है। बरेली से चंदौसी की दूरी 70 और चंदौसी से मुरादाबाद की दूरी 44 किमी है। चंदौसी से एक लाइन अलीगढ़ और एक मुरादाबाद जाती है। दिल्ली से बरेली होकर पूर्वांचल, पूर्वोत्तर के राज्यों और बंगाल, बिहार राज्यों में रेल कनेक्टिविटी के लिहाज से दिल्ली से वाया रामपुर, मुरादाबाद, बरेली और वाया चंदौसी, बरेली होकर गुजरने वाली दोनों लाइनों पर ट्रैफिक का दबाव काफी ज्यादा है। चंदौसी, बरेली होकर गुजरने वाली रेल लाइन सिंगल होने के कारण गाड़ियां लेटलतीफी का शिकार होती हैं। बरेली-चंदौसी-अलीगढ़ और बरेली-चंदौसी-मुरादाबाद लाइनों के दोहरीकरण को लेकर कवायद 2020 में शुरू हुई थी। इसके बाद हर वर्ष आने वाली रेलवे की पिंक बुक में इन लाइनों का जिक्र तो होता था, लेकिन मंजूरी का इंतजार था। इसी वर्ष भोजीपुरा-लालकुआं, काठगोदाम-लालकुआं, रामपुर-लालकुआं रेलखंड और भोजीपुरा बाइपास लाइन के फाइनल लोकेशन सर्वे को भी हरी झंडी दे चुका है।

भाजपा की विशाल तिरंगा यात्रा दिनांक 12 अगस्त बुधवार को निकलेगी

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / अधिक से अधिक संख्या में नगर वासी तिरंगा यात्रा में शामिल हो भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल कोंच(जालौन) देश की एकता अखंडता एवं तिरंगे की आन बान शान के सम्मान में भारतीय जनता पार्टी कोंच नगर के तत्वाधान में दिनांक 12 अगस्त दिन बुधवार को सुबह नौ बजे स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज मंडी परिसर कोंच से भव्य विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी भारतीय जनता पार्टी की नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल ने दी है उन्होंने बताया है कि यह तिरंगा यात्रा राष्ट भक्ति राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संदेश जनजन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल ने बताया है कि इस विशाल तिरंगा यात्रा में जिले के समस्त जनप्रतिनिधि पार्टी के सीनियर नेता पार्टी कार्यकर्ता व्यापारी मीडिया से जुड़े लोग अधिवक्ता और चिकित्सकों और समस्त स्कूली संस्थाओं से जुड़े परिवार और उनके छात्र छात्राएं शामिल होगी उन्होंने सभी से इस विशाल तिरंगा यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में लोगों से शामिल होकर सफल बनाने का अनुरोध किया है

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी समस्याएं, जरूरतमंदों को मौके पर मिली आर्थिक मदद

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कलेक्टरेट सभागार में मंगलवार को कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। इसमें जिलेभर से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें प्रस्तुत कीं। कलेक्टर ने आवेदकों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और शिक्षा से जुड़े मामलों पर कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लिया। जरूरतमंद आवेदकों को रेडक्रॉस कोष से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई, वहीं लंबित शासकीय योजनाओं का लाभ भी पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया गया। बुजुर्ग महिला को मिली 5 हजार की सहायता- जनसुनवाई में पहुंचीं 70 वर्षीय साबाबाई जाटव ने वृद्धावस्था पेंशन और आर्थिक सहायता के संबंध में आवेदन दिया। कलेक्टर ने तत्काल रेडक्रॉस कोष से उन्हें 5 हजार रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की। साथ ही सामाजिक न्याय विभाग से पेंशन की स्थिति की जानकारी ली गई, जिसमें जून माह तक की वृद्धावस्था पेंशन का भुगतान होना पाया गया। इलाज के लिए 25 हजार रुपए की सहायता स्वास्थ्य संबंधी समस्या लेकर पहुंचे ग्राम उमरीकलां निवासी समरथ लोधी को उनकी बेटी के इलाज के लिए 10 हजार रुपए की रेडक्रॉस सहायता दी गई। वहीं शिव कॉलोनी निवासी धर्मेंद्र राठौर को अपनी पुत्रियों के उपचार के लिए 15 हजार रुपए की सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया। लाड़ली लक्ष्मी की 6 हजार की छात्रवृत्ति तुरंत ट्रांसफर पिछोर के ग्राम हीरापुर निवासी कमलेश लोधी ने लाड़ली लक्ष्मी योजना की दूसरी किश्त नहीं मिलने की शिकायत की थी। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत बालिका नीतेश लोधी की कक्षा 11वीं की 6 हजार रुपए की छात्रवृत्ति राशि पोर्टल के माध्यम से तत्काल खाते में ट्रांसफर कर दी गई। जनसुनवाई में कलेक्टर द्वारा मौके पर ही की गई त्वरित कार्रवाई से कई आवेदकों को तत्काल राहत मिली। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसमस्याओं के निराकरण में संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य किया जाए।

मॉडल प्राइमरी स्कूल अग्रास प्रथम में मिड डे मील शेड का लोकार्पण।

क्यूँ न लिखूँ सच /फतेहगंज पश्चिमी। आध्यात्म की गूंज परिवार एवं रोटरी क्लब सनराइज बरेली के संयुक्त सहयोग से मॉडल प्राइमरी स्कूल अग्रास प्रथम में निर्मित मिड डे मील शेड एवं 30 बेंचों का लोकार्पण मंगलवार को हर्षोल्लास के साथ हुआ। शेड के निर्माण से विद्यालय के बच्चों को धूप, बारिश एवं अन्य मौसम की परिस्थितियों से सुरक्षित एवं सुविधाजनक स्थान पर मध्याह्न भोजन ग्रहण करने की सुविधा मिलेगी। इस पुनीत कार्य में आध्यात्म की गूंज परिवार के सदस्यों के साथ रोटेरियन शरद शर्मा ने अपने स्वर्गीय पिता श्री एस.के. शर्मा की स्मृति में, रोटेरियन नीरज खुराना ने अपनी स्वर्गीय माता श्रीमती कमलेश खुराना की स्मृति में, तथा रोटेरियन संदीप जैन एवं प्रधानाध्यापक हिमांशु छाबड़ा ने सहयोग प्रदान किया। श्रीमती रूबी सक्सेना के विशेष योगदान दिया। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी भानु शंकर गंगवार, संकुल शिक्षक विकास जैन एवं राजवीर सिंह सहित आध्यात्म की गूंज परिवार से आशिमा गुप्ता, शीला अग्रवाल, कंचन अग्रवाल सहित अनेक सदस्य तथा रोटरी क्लब के सदस्य एवं अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रधानाध्यापक हिमांशु छाबड़ा ने बताया कि विद्यालय में बच्चों के लिए सुरक्षित एवं व्यवस्थित मिड डे मील स्थान की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जा रही थी। सामूहिक प्रयासों से यह सपना साकार हुआ है।

कैलिया गांव में एमएलसी प्रतिनिधि आरपी निरंजन की अगुवाई में निकली विशाल तिरंगा यात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / कोंच(जालौन) । तहसील के ग्राम कैलिया में आज मंगलवार को विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया इस विशाल तिरंगा यात्रा की अगुवाई भारतीय जनता पार्टी की एमएलसी रमा निरंजन के प्रतिनिधि आरपी निरंजन ने की यह तिरंगा यात्रा गांव से शुभारंभ हुई जिसमें खुद आरपी निरंजन तिरंगा लेकर आगे आगे चल रहे थे बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे और तमाम गांवों के लोग इस तिरंगा यात्रा में उत्साह के साथ चल रहे थे तिरंगा यात्रा में देश भक्ति गीत की भी गूंज सुनाई दी यह तिरंगा यात्रा सम्पूर्ण गांवों में होकर गुजरी गांव के लोगों में इस तिरंगा यात्रा के प्रति काफी उत्साह देखने को मिला है इस अवसर पर एमएसली को प्रतिनिधि आरपी निरंजन ने कहा कि लोगों को इस तरह तिरंगा यात्रा निकालना चाहिए ताकि लोगों को देश के प्रति प्रेम बढ़ता है उन्होंने कहा कि लोगों राष्ट्र भक्ति के प्रति जागरूक रहना जरूरी है आज इस तिरंगा यात्रा से लोगो में अच्छा संदेश जाता है और राष्ट्र प्रेम के प्रति भावना बढ़ती है उन्होंने कहा कि देश पहले है लोगो अपने देश से प्यार जरूर करना चाहिए आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित हो रहा है इस विशाल तिरंगा कार्यक्रम में जुझारपुरा सहकारी समिति के अध्यक्ष दशरथ निरंजन गुड्डन भदेवरा प्रधान पचीपुरा कलां नंदकिशोर पटेल नगर पालिका परिषद कोंच के सभासद सादाब अंसारी भाजपा युवा नेता महेंद्र निरंजन मिस्टर धनोरा प्रधान चमरसेना देवेंद्र निरंजन देवू बीजेपी ग्रामीण ।मंडल के अध्यक्ष सोनू पटेल मनोहर निरंजन किशुन पुरा प्रबल प्रताप सिंह अटा गांव प्रधान कुदईया सुरेंद्र पाल सिंह गुर्जर वकील साहब हरिश्चंद्र पटेल सदूपुरा प्रधान सामी आनंद पचौरी हरिमोहन निरंजन राहुल तिवारी सूर्यांशू निरंजन नितिन निरंजन अमित निरंजन महातवानी सहित बड़ी संख्या में स्कूली बाल बच्चे और कई गांवों के लोग मौजूद रहे सुरक्षा व्यवस्था में थाना कैलिया के एस ओ अवनीश कुमार पटेल दरोगा रूपेंद्र पाल सिंह यादव दरोगा संतोष कुमार यादव दरोगा दिनेश कुमार सिंह दरोगा राजपाल सिंह दिवान श्री राम प्रजापति सिपाही कमलेश कुमार पंकज कुमार सहित कई पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

100 करोड़ की जीएसटी धोखाधड़ी का खुलासा, फरजान समेत 5 गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जीएसटी एसआईटी बरेली और थाना कैंट पुलिस ने 100 करोड़ रुपये से अधिक की संदिग्ध वित्तीय हेराफेरी, फर्जी फर्मों और बोगस आईटीसी क्लेम के मामले का खुलासा करते हुए फरार आरोपी फरजान हाशमी समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक फरजान घटना के बाद नेपाल भाग गया था और वहां 'संदीप' नाम से रहकर जंगी ऐप के जरिए गिरोह के सदस्यों के संपर्क में था। जांच में सामने आया कि गिरोह फर्जी आधार-पैन से फर्में तैयार कर बिना वास्तविक माल की खरीद-बिक्री के फर्जी इनवॉइस जारी करता था। इसके जरिए बोगस इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का दावा कर सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाया जाता था। पुलिस के अनुसार डीएम कंपाउंड के सामने कार्यालय खोलकर फर्जी बिल और रकम को अलग-अलग बैंक खातों में घुमाने का काम किया जाता था। पुलिस ने गिरोह के मास्टरमाइंड सागर अग्रवाल समेत विनीत अरोरा, अनुज अग्रवाल, शिवम गुप्ता उर्फ लाला सहित 10 से अधिक आरोपियों को चिन्हित किया है। मामले में सद्दाम हुसैन और मोहम्मद समद उर्फ शाहरुख को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। गिरफ्तार फरजान के कब्जे से लैपटाप, चार्जर, माउस और छह मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। पुलिस का कहना है कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच से फर्जी फर्मों और बैंक खातों से जुड़े नेटवर्क की और जानकारी सामने आने की संभावना है।

तमंचे-कारतूस समेत बिजली उपकरण, ट्रांसफार्मर चोरी के मामले मे पांच आरोपी गिरफ्तार, भेजे जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। बिजली के ट्रांसफार्मर गिराकर तेल, तांबा और कीमती उपकरण चोरी करने वाले गिरोह के खिलाफ फतेहगंज पश्चिमी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। थाना प्रभारी प्रवीन कुमार के नेतृत्व मे पुलिस टीम ने रबड़ फैक्ट्री के खंडहरों से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया गया है। पूछताछ मे आरोपियों ने फतेहगंज पश्चिमी के अलावा देवरनियां, भमोरा, नवाबगंज, हाफिजगंज, फरीदपुर और बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्रों मे भी चोरी की बात कबूल की है। पुलिस ने गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर रबर फैक्ट्री के खंडहर से दिलशाद पुत्र शमशाद खां, नवासे पुत्र अशरफ, कौसर पुत्र अमीनी, गुलाम रसूल उर्फ छोटे पुत्र गुलाम मदार तथा नूर मोहम्मद उर्फ नन्हे पुत्र साबिर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी से संबंधित सामान के साथ 3040 रुपए नगद व ट्रांसफार्मर से चोरी किया गया तेल, इन्वर्टर, बैटरी, जनरेटर का अल्टरनेटर, मोबाइल फोन, दो तमंचे और चार जिंदा कारतूस तथा एक ऋक्क्स सीएनजी ऑटो बरामद किया गया है। आरोपियों ने पूछताछ मे बताया कि फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र से ट्रांसफार्मर खोलकर तेल व तांबा तथा अन्य कीमती उपकरण चोरी कर लिये थे। इसके साथ ही अन्य थाना क्षेत्र से ट्रांसफार्मर खोलकर तेल, तांबा, गैस सिलेन्डर, बिजली का तार, बिजली का केबिल व जनरेटर का अल्टीनेटर से तांबा व इन्वर्टर बैटरा व नबावगंज में फैक्ट्री मे सो रहे चौकीदार से उसका मोबाइल फोन आदि चोरी की थी और चोरी का सामान कबाडी इकबाल व वाहिद निवासी ग्राम तिलियापुर थाना सीबीगंज, रिहान निवासी ग्राम धंतिया, अबरार हुसैन निवासी ग्राम परधौली थाना सीबीगंज, रिजवान निवासी ईट पजाया थाना बारादरी को बेच देते थे। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर क्षेत्र मे हुई अन्य थाना क्षेत्रों मे हुई चोरी की घटनाओं के संबंध मे भी जानकारी जुटाई जा रही है। बरामदगी के आधार पर संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को जेल भेज दिया। पुलिस ने चोरी का माल खपाने वाले दस कबाड़ियों को बांछित किया है। कार्रवाई मे वरिष्ठ उप निरीक्षक अशोक कुमार, उप निरीक्षक विनोद शर्मा, उप निरीक्षक पंकज कुमार, उप निरीक्षक आदेश कुमार, उप निरीक्षक गंगाधर समेत पुलिस टीम शामिल रही।।

गैस जलाते समय लगी आग, घर का सामान जलकर राख।

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। थाना क्षेत्र के एक गांव में चाय बनाने के लिए गैस जलाते समय अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग पूरे घर में फैल गई। नगदी सहित पूरे घर का सामान जलकर राख हो गया। मोहल्ले वालों की मदद से आग पर काबू पाया गया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई और एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया।जानकारी के अनुसार क्षेत्र के गांव पिथूपुरा में परशुराम की पुत्री राखी ने सुबह लगभग साढ़े छह बजे चाय बनाने के लिए गैस जलाने को माचिस की तीली जलाई। तीली जलाते ही अचानक आग पूरे घर में फैल गई। कमरे में परिवार के कुछ सदस्य सो रहे थे, जिन्हें जल्दी से उठाया गया, लेकिन घर का सामान नहीं बचाया जा सका। देखते ही देखते आग कमरे में फैल गई और कपड़े, बिस्तर तथा बक्से में रखे कपड़ों में आग लग गई। बक्से में रखे सारे कपड़े, नगदी, कुर्सी-मेज, चारपाई, कुठिया और दो मोबाइल सहित लाखों रुपये का सामान जल गया।आग लगने का शोर सुनकर मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंच गए। उन्होंने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, तब तक घर का सारा सामान जलकर राख हो चुका था। आग लगने का कारण गैस लीक होना बताया जा रहा है। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। ग्राम प्रधान कमल गंगवार ने लेखपाल को घटना की सूचना दे दी है।

संक्षिप्त समाचार

राकेश कुमार पटेल मंडी चौकी कोंच के नये प्रभारी बने

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार /कोंच(जालौन)। कोंच कोतवाली की मंडी चौकी के नये प्रभारी के रूप में सब इंस्पेक्टर राकेश कुमार पटेल को नया प्रभारी बनाया गया है मिली जानकारी में जिले के एसपी विनय कुमार सिंह ने कोंच कोतवाली की मंडी पुलिस चौकी के प्रभारी नीतीश कुमार को थाना आटा की संकट मोचन पुलिस चौकी में स्थानांतरण कर दिया है उन्हें बतौर चौकी प्रभारी की जिम्मेदारी दी है और पुलिस लाइन उरई में तैनात सब इंस्पेक्टर राकेश कुमार पटेल को मंडी चौकी का नया प्रभारी बनाया गया है अभी नये मंडी चौकी के प्रभारी ने कार्यभार नहीं ग्रहण नहीं किया है माना जा रहा है कि नये मंडी चौकी के प्रभारी राकेश कुमार पटेल एक दो दिन में कार्य भार ग्रहण कर सकते है बताया गया है कि नये मंडी चौकी के प्रभारी सब इंस्पेक्टर राकेश कुमार पटेल काफी सख्त और तेजतर्रार है और कार्य करने में है आगे रहते है और अपने कार्यों में कोई पेंडेंसी नहीं रखते है। और उन्हें दलाल किस्म के लोग पसंद नहीं है ।

तिरंगे के रंग में रंगा बरेली, पोस्टर प्रतियोगिता से रैली तक दिखा राष्ट्रप्रेम

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली ।'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत मंगलवार को जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस्लामिया गर्ल्स इंटर कॉलेज में जनपद स्तरीय तिरंगा पोस्टर प्रतियोगिता हुई, जिसमें माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के सम्मान को पोस्टरों के जरिए प्रदर्शित किया। पोस्टर प्रतियोगिता में द्रोपदी कन्या इंटर कॉलेज की रानी प्रथम, कस्तूरबा कन्या इंटर कॉलेज की रहनुमा द्वितीय तथा द्रोपदी कन्या इंटर कॉलेज की पावनी खन्ना और इस्लामिया गर्ल्स इंटर कॉलेज की अमरीन अंसारी संयुक्त रूप से तृतीय रहीं। रंगोली प्रतियोगिता में इस्लामिया गर्ल्स इंटर कॉलेज की फलक नाज प्रथम, कांति कपूर गर्ल्स इंटर कॉलेज की हिमांशी द्वितीय और राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की अदीबा तृतीय रहीं। शाही में तिरंगा लेकर निकले छात्र-छात्राएं इसी क्रम में गांधी इंटर कॉलेज, शाही से तिरंगा रैली निकाली गई। मीरगंज विधायक डीसी वर्मा ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ लोगों को 'हर घर तिरंगा' अभियान और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। जिला प्रशासन ने जनपदवासियों से स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराकर 'हर घर तिरंगा अभियान' में बढ़-चढ़कर भागीदारी करने की अपील की।

जीआरपी पुलिस ने एक अभियुक्त को नजाइज़ चाकू के सात गिरफ्तार किया

क्यूँ न लिखूँ सच /युसूफ/ पुलिस अधीक्षक रेलवे मुरादाबाद महोदय द्वारा अपराध की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, श्रीमान पुलिस उपाधीक्षक रेलवे मुरादाबाद महोदय के पर्यवेक्षण में एवं प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी मुरादाबाद के नेतृत्व में जीआरपी मुरादाबाद द्वारा 01 अभियुक्त प्रशान्त मण्डल पुत्र प्रदीप मण्डल निवासी ग्राम पुरैना तहसील महाराजपुर थाना माधोटांडा जिला पीलीभीत उम्र करीब 22 वर्ष को रेलवे स्टेशन मुरादाबाद से गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से एक अदद नाजायज चाकू बरामद हुआ। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के विरूद्ध थाना जीआरपी मुरादाबाद पर मु0अ0सं0-117/2026 धारा 4/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया। अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

गुरजीत सिंह बने भाकियू महात्मा टिकैत के राष्ट्रीय सचिव

क्यूँ न लिखूँ सच / भुता। भारतीय किसान यूनियन (महात्मा टिकैत) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल तालान ने ग्राम दौलतपुर करेना निवासी गुरजीत सिंह पुत्र बलकार सिंह को संगठन का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति पर क्षेत्र के किसानों और संगठन के कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई। नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव गुरजीत सिंह ने कहा कि वह किसानों के हितों और अधिकारों के लिए हमेशा संघर्ष करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन के प्रति पूरी निष्ठा और कर्मठता के साथ कार्य करते हुए अधिक से अधिक किसानों को संगठन से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाकर उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

वनभूमि पर अवैध जुताई करते ट्रैक्टर-कल्टीवेटर जब्त, आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ कोलारस। वनभूमि पर अवैध अतिक्रमण के प्रयास के खिलाफ वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर और कल्टीवेटर जब्त किया है। मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार सामान्य वनमंडल शिवपुरी के वन परिक्षेत्र कोलारस में वन अमले द्वारा लगातार गश्त की जा रही है।

इसी दौरान बीट कोटानाका-ब के कक्ष क्रमांक पीएफ 1188 में वनभूमि पर ट्रैक्टर एवं कल्टीवेटर से अवैध जुताई किए जाने की सूचना मिली। वन अमला मौके पर पहुंचा और घेराबंदी कर अवैध जुताई को रुकवाया। कार्रवाई के दौरान ट्रैक्टर एवं कल्टीवेटर जब्त कर संबंधित आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ वन अपराध प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई वन संरक्षक शिवपुरी आदर्श श्रीवास्तव एवं वन मंडलाधिकारी सुधांशु यादव के मार्गदर्शन तथा उप वन मंडलाधिकारी करैरा आदित्य शांडिल्य के निर्देशन में वन परिक्षेत्राधिकारी कोलारस गोपाल सिंह जाटव के नेतृत्व में की गई।

दो माह में 12 से अधिक वाहन जब्त- वन विभाग के अनुसार वन परिक्षेत्र कोलारस में पिछले दो माह में वन अपराधों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की गई है। इस दौरान वन अपराधों में उपयोग किए जा रहे 12 से अधिक वाहनों को जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की गई है। विभाग ने बताया कि वनभूमि की सुरक्षा और अवैध अतिक्रमण सहित अन्य वन अपराधों पर रोक लगाने के लिए गश्त और कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। कार्रवाई में वन अमले के बृजेन्द्र श्रीवास्तव, रुकमणि भगत, कैलाश यादव, प्रताप राठौर, गिर्राज राजपूत, रामसुखी रघुवंशी, मनोज आदिवासी एवं दिनेश सहरिया सहित अन्य कर्मचारियों की भूमिका रही।

सीडीओ की अध्यक्षता में जिला गंगा, जिला पर्यावरण एवं जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूँ मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सोत नदी के पुनरुद्धार एवं कायाकल्प के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वय से कार्ययोजना तैयार कर 03 दिवस के अंदर उच्च स्तर को प्रेषित करने के निर्देश दिए गए।

मुख्य विकास अधिकारी ने राजस्व विभाग को सोत नदी के बहाव क्षेत्र का सीमांकन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने नदी के पारिस्थितिक तंत्र एवं जैव विविधता संरक्षण, अतिक्रमण की रोकथाम के लिए सघन वृक्षारोपण, जल उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए फसल चक्र में परिवर्तन, मनरेगा के माध्यम से जल स्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन, ग्रे वाटर एवं सीवेज प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, नदी प्रदूषण की निगरानी, डी-सिल्टेशन एवं जल प्रवाह प्रबंधन सहित विभिन्न कार्यों को कार्ययोजना में शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने भूजल पर निर्भरता कम करने के लिए चेक डैम, ड्रिप सिंचाई तथा मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देने से संबंधित कार्ययोजनाएं भी तैयार करने को कहा।

उन्होंने बताया कि अधिकांश विभागों द्वारा कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। नगर पालिका परिषद बदायूं, बिसौली तथा नगर पंचायत उसहैत एवं मुड़िया की कार्ययोजना प्राप्त न होने पर संबंधित अधिशासी अधिकारियों को 02 दिवस के अंदर कार्ययोजना उपलब्ध कराने के कड़े निर्देश दिए।

सीडीओ ने सभी प्रस्तावों का समेकन करते हुए अभिसरण एवं कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के माध्यम से सोत नदी के पुनरुद्धार की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए।

जिला वृक्षारोपण समिति की समीक्षा के दौरान उन्होंने वर्ष 2026 में कराए गए वृक्षारोपण की जियो टैगिंग तत्काल पूर्ण कर इसकी सूचना प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वहीं जिला पर्यावरण समिति की समीक्षा में सभी संबंधित विभागों को पर्यावरण से संबंधित विभिन्न प्रकार के वेस्ट की सूचना निर्धारित प्रारूप में उपलब्ध कराने को कहा।

बैठक में प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग विनीता सिंह, डीसी मनरेगा मीनाक्षी सक्सेना, जिला परियोजना अधिकारी नमामि गंगे अनुज प्रताप सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी यावर अब्बास, अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) अमित कुमार, एलबीसी राकेश मिश्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

चाकूबाजी में जीजा साले गंभीर घायल, दोनों पक्षों में जमकर मारपीट खून से लाल हुए कपड़े, पुलिस ने दोनों पक्षों को दबोचा

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/फर्रुखाबाद /फतेहगढ़। कोतवाली फतेहगढ़ क्षेत्र के पुराना बस स्टैंड के पास मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब जीजा और साले के बीच विवाद ने खूनी रूप ले लिया। बात करने के लिए बुलाए गए जीजा पर साले ने कथित रूप से जेब से चाकू निकालकर हमला कर दिया। चाकू लगने से जीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार सैनिक कॉलोनी निवासी अजय पुत्र रामनरेश चौहान को उसके साले भोला सिंह राठौर निवासी गुजराती वाली गली ने बातचीत के लिए पुराना बस स्टैंड के पास बुलाया था। आरोप है कि बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया और भोला सिंह ने जेब से चाकू निकालकर अजय पर हमला कर दिया। इसके बाद दोनों पक्षों में जमकर मारपीट शुरू हो गई। देखते ही देखते मौके पर अफरा-तफरी मच गई और दोनों पक्षों के कपड़े खून से लथपथ हो गए। खास बात यह रही कि मौके पर पुलिस की मौजूदगी के बावजूद दोनों पक्षों के बीच मारपीट होती रही। सूचना मिलते ही पुलिस ने दोनों पक्षों को पकड़कर कोतवाली फतेहगढ़ पहुंचाया।

मंडल अध्यक्ष वलवीर सिंह दांगी की अध्यक्षता में तिरंगा रैली निकाली गई

क्यूँ न लिखूँ सच /अनिल कुमार/ भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष वलवीर सिंह दांगी की अध्यक्षता में पठारी मंडल के प्रत्येक ग्राम में हर हर तिरंगा,घर घर तिरंगा रैली निकाली गई उसी क्रम में ग्राम भालबामोरा,बाबाईखुर्द,तिरंगा रैली निकाली गई इस रैली में क्षेत्र के एवं स्थानीय लोगों ने बढ़कर हिस्सा लिया आंगनबाड़ी स्टाफ, स्कूल स्टाफ, ग्राम पंचायत स्टाफ, विद्यार्थी, युवा ,बाबई खुर्द से सरपंच प्रतिनिधि चंद्रभान सिंह दांगी, युवा नेता विक्रम सिंह राजपूत, सरपंच प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह दांगी, वरिष्ठ भाजपा नेता रघुवीर सिंह ठाकुर, मखान सिंह ठाकुर ,शैलेंद्र यादव ,सरपंच रोबन सिंह कुर्मी, जीवन सिंह,रविंद्र ठाकुर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे द्य इस रैली का उद्देश्य लोगों में राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करना और राष्ट्र सेवा में समर्पित होना आगामी 15 अगस्त को राष्ट्रीय पर्व धूमधाम से मनाने का संकेत दिया गया ,इस रैली में लोगों में उत्साह देखने को मिला द्य गांव की हर गली में रैली घुमती हुई निकली गई और वंदे मातरम, भारत माता की जय के नारे लगाए गये द्य देश प्रेम के प्रति सभी की सकारात्मक भूमिका रही द्य

थाना सिविल लाइंस पुलिस नें तीन शातिर चोरों को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / एसएसपी अंकिता शर्मा के निर्देशानुसार जनपद में चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध गिरफ्तारी अभियान के अन्तर्गत आज थाना सिविल लाइंस पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 291/2026 धारा 303(2), 317(2) बीएनएस में वाँछित 03 नफर अभियुक्तगण 1. अमित रस्तोगी पुत्र जयदेव रस्तोगी निवासी बन्दूकचियान कस्बा व थाना धामपुर जनपद बिजनौर हाल पता मोहल्ला नेकपुर थाना सिविल लाइन जनपद बदायूँ 2. अश्वनी वर्मा पुत्र स्व0 लटूरी लाल निवासी मोहल्ला जवाहरपुरी थाना सिविल लाइन जनपद बदायूँ 3. गौरव सक्सेना पुत्र प्रेमशंकर सक्सेना निवासी मो0 नेकपुर गली न0 04 थाना सिविल लाइन जनपद बदायूँ को गिरफ्तार किया गया तथा इनके कब्जे से चोरी किये हुए 5500 रुपये नगद बरामद किये गये । गिरफ्तार शुदा अभियुक्तगण को मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है ।

मंडी चौकी के प्रभारी नीतीश कुमार का तबादला, क्षेत्र के लोग दुखी नजर आये

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / कोंच(जालौन)। आज जिले के पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने कानून व्यवस्था को और अधिक आच्छादित बनाने के उद्देश्य से कई स्थानांतरण किये है जिनमें कोंच कोतवाली की मंडी चौकी के प्रभारी सब इंस्पेक्टर नीतीश कुमार का तबादला किया गया है पुलिस अधीक्षक ने उन्हें मंडी चौकी से स्थानांतरण कर आटा थाने की सबसे महत्वपूर्ण संकट मोचन पुलिस चौकी का नया प्रभारी नियुक्त किया है। मालूम हो कि मंडी चौकी के प्रभारी नीतीश कुमार ने जब से कार्यभार ग्रहण किया तब से क्षेत्र में आपराधिक घटनाएं पर काफी हद तक अंकुश लगाया है साथ ही क्षेत्र में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिये अपराधी बदमाश चोरों पर कड़ी कार्यवाही की और उन्होंने मंडी चौकी क्षेत्र में कई गुड वर्क किये

11 से 25 अगस्त तक चलेगा मिशन सेफ फ्यूचर 2.0 अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच /आज जनपद बदायूं में बच्चों की सुरक्षित यात्रा एवं विद्यालयी वाहनों में सुरक्षा मानकों के प्रभावी अनुपालन को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार की अध्यक्षता में जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मिशन सेफ फ्यूचर 2.0 अभियान के तहत अनाधिकृत एवं मानकों के विपरीत संचालित स्कूली वाहनों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई तथा विद्यार्थियों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। विद्यालयों में प्रार्थना के दौरान विद्यार्थियों को यातायात नियमों को प्रार्थना सभा का नियमित तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जाए एवं प्रधानाचार्यों को स्कूली वाहनों में निर्धारित सुरक्षा हिस्सा बनाया जाए। उन्होंने विद्यालय प्रबंधकों निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों को मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के विद्यालय न भेजें। विद्यालयों में संचालित बस, वैन को अनाधिकृत अथवा असुरक्षित वाहनों से परीक्षण एवं पुलिस द्वारा चरित्र सत्यापन कराया जाए। एवं अन्य वाहनों के चालकों का नियमित स्वास्थ्य वाहनों में महिला/पुरुष सहायक की अनिवार्य व्यवस्था छोटे बच्चों के सुरक्षित आवागमन के लिए स्कूली से वाहन में बैठाने एवं उतारने की जिम्मेदारी तय हो सुनिश्चित की जाए, ताकि बच्चों को सुरक्षित रूप अगस्त 2026 तक मिशन सेफ फ्यूचर 2.0 के अंतर्गत सके। बैठक में बताया गया कि 11 अगस्त से 25 दिए कि अभियान के दौरान जनपद में स्कूल बस, विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने निर्देश वाहनों का सत्यापन एवं विशेष चेकिंग की जाएगी। वैन एवं बच्चों के आवागमन में प्रयुक्त अन्य जाएगा, जहां बिना पंजीकरण के निजी बस, वैन अथवा अन्य वाहनों से बच्चों का आवागमन कराया जा रहा है। अधिक संख्या में अनाधिकृत वाहनों का संचालन कराने वाले विद्यालयों की रेड लिस्ट तैयार कर संबंधित अधिकारियों को भेजी जाएगी। एडीएम ने निर्देश दिए कि बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद फिटनेस न कराने वाले अथवा सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले विद्यालयों एवं वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए। अभियान के दौरान अनफिट वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए आवश्यकतानुसार उनका पंजीयन निलंबित करने की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि दुर्घटना दर को कम करने के लिए प्रशासन, विद्यालय प्रबंधन, वाहन चालक और अभिभावक सभी को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। बैठक में बीएसए अथवा उनके विभाग से कोई भी कार्मिक मौजूद न होने पर अपर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि भविष्य में ऐसी महत्वपूर्ण बैठकों में सभी संबंधित अधिकारी समय से अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। इस अवसर पर एआरटीओ प्रशासन हरिओम, डीआईओएस लालजी यादव, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, रॉन्ग साइड और तेज रफ्तार पर चलेगा व्यापक अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / अवैध कट, सड़क किनारे निर्माण सामग्री व अतिक्रमण पर संयुक्त कार्रवाई के निर्देश, दोबारा अवैध कट खोलने वालों पर अवैध कट बंद करके एनएचएआई दर्ज कराए एफआईआर जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक की कर संबंधित विभागों के अधिकारियों को सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि रॉन्ग साइड वाहन चलाने, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने, बिना सीट बेल्ट चारपहिया वाहन चलाने तथा निर्धारित सीमा से अधिक गति से वाहन संचालित करने वालों के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि केवल चालान की कार्रवाई तक सीमित न रहते हुए लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया जाए, ताकि सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार व्यवहार विकसित हो। जिलाधिकारी ने एनएचएआई एवं लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया कि राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर बने सभी अवैध कटों को तत्काल चिन्हित कर बंद कराया जाए। उन्होंने सख्त चेतावनी दी कि बंद किए गए अवैध कट को यदि किसी व्यक्ति द्वारा पुनः खोला जाता है तो उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अवैध कट दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में शामिल हैं, इसलिए इस मामले में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दास्त नहीं की जाएगी। उन्होंने नगर मजिस्ट्रेट, अधिशासी अधिकारियों, लोक निर्माण विभाग सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़कों के किनारे बालू, ईंट, गिट्टी एवं अन्य निर्माण सामग्री रखकर किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध संयुक्त अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई की जाए। अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ सड़क पर रखी निर्माण सामग्री को जब्त कर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए, ताकि सार्वजनिक मार्गों पर आवागमन बाधित न हो और दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके।जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर खराब अथवा निष्क्रिय अवस्था में खड़े वाहनों को भी तत्काल हटवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क पर लंबे समय तक खड़े ऐसे वाहन दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं और यातायात की सुगमता प्रभावित करते हैं। संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि ऐसे वाहनों को तत्काल हटवाकर यातायात व्यवस्था सुचारु रखी जाए। शहरी क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के लिए नगर निकायों को अवैध होर्डिंग, बैनर एवं अन्य अवैध विज्ञापन सामग्री के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि सार्वजनिक मार्गों पर लगाए गए अवैध होर्डिंग एवं बैनर दृश्यता को प्रभावित करने के साथ-साथ यातायात व्यवस्था के लिए भी खतरा उत्पन्न करते हैं। ऐसे मामलों में अवैध सामग्री हटाने के साथ संबंधित व्यक्तियों से नियमानुसार जुर्माना भी वसूल किया जाए।जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क सुरक्षा से जुड़े अपने-अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के मामलों में यदि किसी स्तर पर लापरवाही अथवा उदासीनता पाई गई तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षित एवं अनुशासित यातायात व्यवस्था केवल एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभी संबंधित विभागों की साझा जिम्मेदारी है। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनपद में सड़क दुर्घटनाओं को न्यूनतम करने के लिए ठोस एवं प्रभावी कदम उठाएं।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राजीव राज, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एच.एन. प्रसाद, सीओ राजीव शर्मा, अधिशासी अभियंता सुनील कुमार, अमित सक्सेना, महेन्द्र सिंह, एआरटीओ सौम्या पाण्डेय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

What items are needed for Teej Puja?

Learn the complete ingredients

What should be purchased for Teej Puja? Typically, a puja thali, a lamp, cotton wicks, ghee or oil, camphor, incense sticks, roli, turmeric, rice grains, sacred thread, sandalwood paste, flowers, fruits, coconut, betel nut, prasad, and other traditional puja items are kept for Teej puja. Additionally, mehndi, green bangles, bindi, sindoor, gajra, and traditional jewelry can be purchased for Teej makeup. Items may vary according to family and regional traditions. The arrival of Hariyali Teej brings a vibrant atmosphere to homes. Whether a newlywed or a married woman, preparations for the Teej fast and puja begin several days in advance. From green bangles to mehndi, makeup items, puja items, and sweets, many items may be needed for this day. Therefore, if a shopping list is not prepared in advance, there is a risk of missing out on essential items on the day of the puja. The materials required for Teej puja may vary by region, family, and local tradition. Therefore, consider the list below as a general and useful checklist and add or remove items from it as per your family tradition. This time, before going to the market, review the entire list once. Keeping the puja materials separate, makeup items separate, and prasad items separate while shopping makes preparation much easier. If you are observing Teej fast for the first time or preparing for the first Teej after marriage, this checklist can be especially useful for you. Materials required for Teej puja - First of all, buy the basic puja materials so that there is no shortage of anything during the puja. Generally, the following items may be useful for puja: Puja thali (pilgrim plate) Lamp (lamp) Cotton wick Ghee or oil Incense sticks and incense Camphor Roli or kumkum Turmeric Akshat (rice, sacred thread) Sandalwood Flowers Garland Fruits Coconut Betel leaf and betel nut Cloves and cardamom Kalash Clean water Sweets or prasad (prasad) The essentials of these items may depend on your home's puja tradition. Therefore, it's best to ask elders in the family beforehand. What to buy for the worship of Goddess Parvati and Lord Shiva? Lord Shiva and Goddess Parvati are worshipped during the Hariyali Teej puja. Therefore, when preparing for the puja, it's a good idea to have a picture or idol of Shiva and Parvati, a puja platform, and offerings ready in advance. In addition to the usual puja items like flowers, fruits, Akshat, Roli, sandalwood, incense, lamps, naivedya (worship), other items can also be included according to local traditions. If there is a specific Teej puja ritual or material followed in your family, prioritize that. Don't forget to buy Suhaag and Shringar items. Suhaag and Shringar are considered especially important on Teej. Therefore, along with the puja items, you should also purchase your makeup items in advance. Your shopping list may include: green bangles, bindi, sindoor, mehndi, kajal, lipstick, nail paint, gajra, anklets, toe rings, mangalsutra, traditional jewelry, hair accessories. For a new bride, wearing a special piece of wedding jewelry on the first Teej can be a beautiful option. Teej-specific clothing and puja items: Green is especially favored for Teej. Therefore, you can choose a green saree, lehenga, suit, or other traditional outfit. It's best to purchase matching bangles, dupatta, bindi, and jewelry in advance. If a swing is being set up at home for Teej, you can also purchase garlands of flowers, leaves, decorative fabric, and other decorative items. This can enhance the puja and festival atmosphere. Shopping list for Prasad and Teej feast - After the puja, prepare the Prasad and traditional dishes to be prepared for the family in advance. Depending on your needs, you can buy: sweets, fruits, dry fruits, coconut, makhana, milk, curd, ghee, flour, semolina, sugar or jaggery, cardamom, saffron, dried fruits. Different states prepare different dishes for Teej. Therefore, make a separate list of essential ingredients based on the traditional recipes of your region.

Check not just the zero on the meter, but this one thing too, otherwise the petrol pump operator will cheat you.

Seeing the zero on the meter at the petrol pump isn't enough. Therefore, you should also check the density. You can learn more about density in this report. People need petrol and diesel to drive their vehicles. Imagine paying the full amount for petrol and diesel, but what if you get less petrol? Many people think they check the zero reading on the meter before filling up petrol, but wait, just checking the zero reading on the machine isn't enough. In fact, you need to pay special attention to one more thing. Otherwise, the petrol pump operator will cheat you right in front of your eyes. Let's find out what to pay attention to when buying petrol... What to look for when buying petrol and diesel? Whenever you pay for petrol or diesel, in addition to checking the zero mark on the meter, also check the density. This density is visible next to the zero reading. If you don't check it, you could be being cheated. Petrol pumps have a device called a density meter. It measures the quality and purity of the fuel being filled in your vehicle. Density refers to the density of the fuel. If there is any adulteration in the fuel, such as kerosene or other substances, its density changes. This is why the density meter is considered an important indicator of fuel quality. What is density and why should it be checked? The quality and purity of the fuel is measured by the density of petrol. If there is any adulteration in the fuel like kerosene or any other substance, then the density of the fuel changes, that is why it is said to check the density meter fitted on the machine. What should be the density? - Whenever you go to buy petrol or diesel, check the density in the machine. The density number shown on the machine should be between 730 to 800 for petrol, whereas, for diesel, this reading should be between 830 to 900. If it is less or more than this reading, then avoid buying oil from such petrol pumps.

बोल बम के जयकारों से गूंजा मार्ग: शिव भक्तों ने देवपुर से नटेरन तक जनसुनवाई में त्वरित समाधान की पहल, डांक कावड़ यात्रा 3 घंटे मैं दौड़कर 70 किलोमीटर की यात्रा पूरी की

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी /धार्मिक स्थल देवपुर से नटेरन tak । सावन के पवित्र महीने में भगवान शिव के प्रति अटूट आस्था और भक्ति का एक अनोखा नज़ारा देखने को मिला। %बम भोले% और %हर-हर महादेव% के गगनभेदी जयकारों के बीच शिव भक्तों के एक जत्थे ने धार्मिक स्थल देवपुर से नटेरन तक 70 किलोमीटर की लंबी दूरी मात्र 3 घंटे में तय कर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया।भक्तों की इस ऊर्जा और गति को देखकर मार्ग में मौजूद हर व्यक्ति आश्चर्यचकित रह गया। भक्ति के आगे फीकी पड़ी दूरी- यात्रा की शुरुआत सुबह-सुबह मुख्य शिव मंदिर से जल उठाकर हुई। हाथों में कांवड़ और दिल में भगवान भोलेनाथ का ध्यान लगाए भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। 70 किलोमीटर का यह सफर, जिसे सामान्यत: तय करने में काफी समय लगता है, उसे भक्तों ने अपने अदम्य साहस और आस्था के बल पर केवल 3 घंटों में पूरा कर लिया। पूरी यात्रा के दौरान मार्ग %जय भोलेनाथ% के नारों से गुंजायमान रहा। जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत रास्ते में पड़ने वाले विभिन्न गांवों और कस्बों में स्थानीय लोगों ने शिव भक्तों पर पुष्पवर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया। भक्तों के लिए जगह-जगह फलाहार, ठंडे पानी और जलपान की व्यवस्था की गई थी। भोलेनाथ की कृपा से संभव हुआ सफर- यात्रा पूरी करने के बाद जब भक्तों से बात की गई, तो उन्होंने कहा, 卐यह हमारी ताकत नहीं, बल्कि भगवान शिव की कृपा और भक्ति की शक्ति है। %बम भोले% के जयकारे हमें थकने नहीं देते और 70 किलोमीटर का रास्ता कब बीत गया, पता ही नहीं चला। गंतव्य पर पहुंचकर भक्तों ने शिवलिंग पर जलाभिषेक किया और देश व समाज की समृद्धि और शांति की प्रार्थना की। भक्तों के इस अद्भुत उत्साह और अनुशासन की पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है। यात्रा में भक्त हर्ष रघुवंशी राजा रघुवंशी निखिल लोधी रवि मालवीय अमित रघुवंशी योगेश रघुवंशी योगेंद्र रघुवंशी रज्जू यादव सुधीर विश्वकर्मा धर्मेंद्र महाराज रोहन सराठे अभिषेक रघुवंशी हर्षित गुप्ता मोहित गुप्ता मुकुल रघुवंशीसौरभ विश्वकर्मा हरिचरण छोटू महाराज नमन रघुवंशी पूरन प्रजापति विष्णु विश्वकर्मा रघुवीर रघुवंशी हरिचरण रघुवंशी अभिषेक शर्मा सौदान रघुवंशी देवेंद्र कुशवाह तीरथ रैकवार गोलू सेन प्रशांत विश्वकर्मा आदि सम्मिलित रहे।

पेयजल, पेंशन और ट्राइसाइकिल संबंधी समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी / ताजखजूरी में पेयजल समस्या से लेकर पेंशन तक, जनसुनवाई में कलेक्टर ने दिए त्वरित समाधान के दिए निर्देश जिला मुख्यालय पर आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान की पहल करते हुए कई लंबित मामलों का मौके पर ही निराकरण कराया जिससे दूरदराज से आए फरियादियों को त्वरित राहत मिली। जनसुनवाई में आवेदनों में दिखाई गई गंभीरता से सीमांकन, नामांतरण, पेंशन, पीएम आवास योजना, अतिक्रमण, स्वास्थ्य, शिक्षा बिजली और अन्य राजस्व संबंधी समस्याओं के निराकरण और शेष आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण के लिए दिए गए आश्वासन ने पीड़ित आवेदकों को राहत मिली है। आज सम्पन्न हुई जनसुनवाई में कुल 165 आवेदन प्राप्त हुए थे जिनमें से 92 का निराकरण कर दिया गया है।

"It's tough..." Bhumi Pednekar steps up to help Assam flood victims, shares post praising volunteers

Many people are affected by the Assam floods. Bhumi Pednekar has come forward to help the common people, distributing relief materials in Sivasagar, Assam. She also shared a post praising the volunteers.

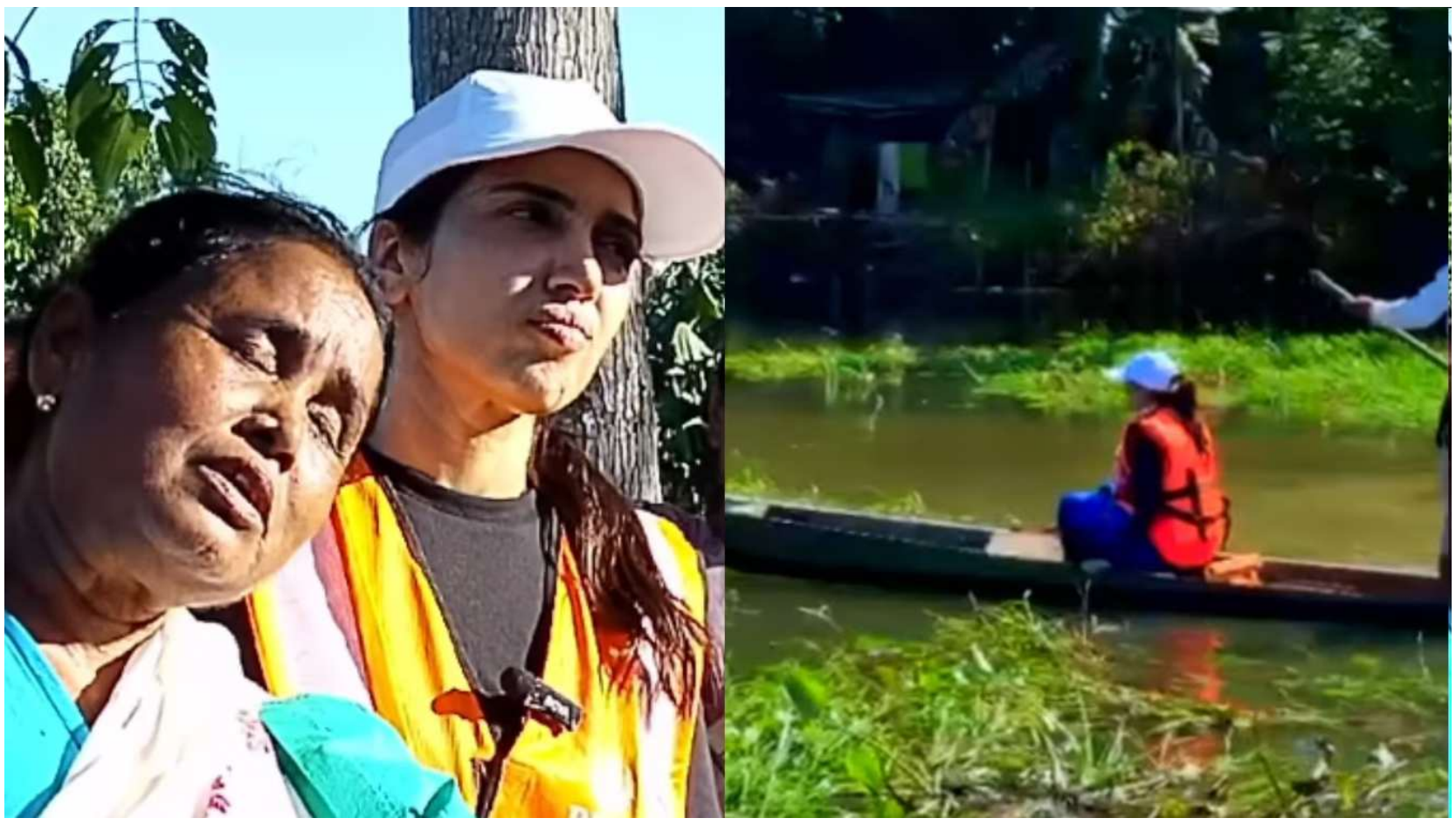

visited the flood- in Assam. She She also praised the through social media help the Assam flood- helped, Bhumi Instagram page of people. She also posted car driving through she wrote, "It's tough. understand the depth of administration and all hours a day despite Bhumi did relief work from the Bharat also involved in this Pednekar. This out relief work in the since the end of July. It and other necessary aid also helping in recovery Bhumi Pednekar doing about Bhumi been a part of the film Shivaji Maharaj'. In this film, Rishabh will be seen in the role of Shivaji Maharaj. Bhumi Pednekar will play the role of warrior queen Belwadi Mallamma in the film.

On Friday, Bhumi Pednekar affected areas of Sivasagar district distributed relief materials there. volunteers involved in this work and appealed to fans to donate to affected people. Saluting those who Pednekar posted a video on her herself helping flood-affected an Instagram story showing her floodwaters. Along with the post, You have to experience it to its impact." I salute the the volunteers who are working 24 being affected by the floods. with this organization - Volunteers Disaster Relief Foundation were campaign along with Bhumi organization has been carrying flood-affected areas of Sivasagar is providing food, essential goods, to the affected communities. It is and rehabilitation work. What is on the career front? - Talking Pednekar's career front, she has 'The Pride of Bharat: Chhatrapati

"I was fooled," Sanjeeda Sheikh made a major revelation about "Dhamaal 4"; said, "I was made to do action in the name of comedy."

Sanjeeda Sheikh was seen doing both action and comedy in the recently released film "Dhamaal 4." Now, the actress has shared her experiences from the film. Find out what she had to say. "Dhamaal 4" reunites stars like Ajay Devgn, Riteish Deshmukh, Arshad Warsi, and Javed Jaffrey. This time, some new faces were also added, including actress Sanjeeda Sheikh. Sanjeeda performed both action and comedy in the film. In an interview with Hindustan Times, she explained how she landed the role and her shooting experience. What did Sanjeeda say about the "serious actress" tag? Before "Dhamaal 4," Sanjeeda hadn't done much comedy work. She previously appeared in Sanjay Leela Bhansali's serious period drama "Heeramandi." After this, she started getting the tag of a 'serious actress'. Sanjeeda said, "I got 'Dhamaal 4' because Indra sir called me after watching 'Heeramandi'. His first question was, 'You are a very serious actress,' because Heeramandi was quite serious." Sanjeeda said that she asked the director to give her a chance so that she could show how funny she is. "I sat with him and he heard me laughing - I laugh a little differently, so he said, 'Okay.' And I was cast." Did action along with comedy - Sanjeeda's character in 'Dhamaal 4' does as much action as comedy. In many scenes, she was seen doing action with big action stars. She jokingly said, "Every scene of mine had action. I was fooled." I was told to do comedy, but I was made to do action.' Sanjeeda said that it became a joke on the set that she was being made to do action scenes where a big action star like Ajay Devgan was present. She said, 'I am telling the truth, Ajay Devgan was on the set and I was being made to do all the action scenes. It became a joke on the set.' About 'Dhamaal 4' - Ravi Kishan, Sanjay Mishra, Upendra Limaye, Anjali Anand and Esha Gupta also appeared in 'Dhamaal 4'. The film did not receive very good reviews from critics, but the audience liked it very much. The film earned more than 200 crore rupees worldwide and proved to be a box office hit.

Paneer, Saag, and Raita: Priyanka Chopra's husband and brother-in-law enjoyed Indian food; glimpses shared on social media

Nick Jonas and his brother Jonas, enjoyed Indian food. They revealed their favorite Indian dishes. Nick along with his brother Joe Jonas, enjoyed a variety of Indian dishes at Indian restaurant. The singer shared a glimpse of the feast on social media. Nick Jonas recently returned to the US from a trip to India with his wife Priyanka Chopra and daughter Malati Marie. Nick shared a glimpse of the food - Nick and Joe Jonas recently reunited for their "Jonas Brothers Tour." Amid their busy schedules, the brothers took time out to feast on Indian food at a restaurant. Nick shared a reel showing a glimpse of various food items and simply wrote, "Stuff." The Jonas Brothers' favorite dishes - The restaurant later revealed that Nick and Joe are frequent visitors. They also shared some of their favorite dishes. The feast served to the Jonas Brothers included Rani Kachori, Onion Bhajiya, Royal Pistachio Chop, Murgh Makhani, and a Papad Basket. Nick's going out for Lamb food isn't surprising, as he loves the food. What does Nick like? - During Indian show "Speaking with the Heart," the 33-year-old singer was asked the his favorite Indian food. He said he likes butter chicken, paneer, saag paneer, masala paneer, raita, naan, and chicken biryani. Nick loves Hindi songs - Well, not just Indian food, Nick also loves Bollywood songs. In a conversation with eTalk, Nick revealed his preference for a song and how it brings him to the dance floor at weddings. He said, "I also love Vicky Kaushal's 'Tauba Tauba'. It's a great song." When did Priyanka get Mary married? Priyanka and Nick got married in 2018 and welcomed Malti via surrogacy in January 2022.